लखनऊ

शुक्रवार, 27 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 213

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"दिन कैसा भी हो, शुरुआत मुस्कान और उम्मीद से करो, मंज़िल खुद-ब-खुद आसान लगने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

कठूमर में घूसखोर पुलिसकर्मी और दलाल 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अलवर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी दौसा ने कार्यवाही करते हुए आरोपीगण रामेश्वर सिंह कानि. 17 व निरंजन सिंह प्राईवेट व्यक्ति को 20,000/- रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी हेल्पलाइन 1064 पर एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के फुफेरे भाई के खिलाफ पुलिस थाना कठूमर मे दर्ज मुकदमें के अनुसंधान में मदद करने के नाम पर आरोपीगण नरेन्द्र सिंह एएसआई, रामेश्वर सिंह कानि0 17 व निरंजन सिंह प्राईवेट व्यक्ति द्वारा 20,000/-रूपये रिश्वत की मांग कर परिवादी को परेशान कर रहे है। इस पर एसीबी जयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरवीजन में एसीबी भरतपुर इकाई द्वारा रिश्वत मांग सत्यापन की कार्यवाही की गई एवं अग्रिम ट्रेप कार्यवाही एसीबी दौसा के रविन्द्र सिंह, उप अधीक्षक पुलिस एवं टीम द्वारा की गई। जिनके द्वारा दौराने ट्रेप कार्यवाही परिवादी से 20,000/- रूपए रिश्वत राशि रामेश्वर कानि. एवं निरंजन सिंह प्राईवेट व्यक्ति द्वारा प्राप्त की गई और प्राईवेट व्यक्ति द्वारा अपने पास रखी जिससे रिश्वत राशि 20,000/- रूपये बरामद की जा चुकी है। प्रकरण में आरोपी नरेन्द्र सिंह एएसआई की गिरफ्तारी शेष हैं। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस. परिमाला के सुपरवीजन में आरोपियों से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामलें में धारा 7, 7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) व 61 (2) बीएनएस के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

'हम मिलकर काम करने को तैयार', बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस पर बोले विदेश राज्य मंत्री

ढाका, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत बांग्लादेश की नई सरकार का गर्मजोशी से स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच इतिहास, संस्कृति और भाषा के गहरे संबंध हैं, जो संबंधों को खास बनाते हैं। वह नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1971 का मुक्ति संग्राम और शोषण, दमन व नफरत के खिलाफ दी गई कुर्बानियां भारत और बांग्लादेश की साझा विरासत हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच यह मजबूत संबंध भरोसे, साझा मूल्यों और शांति, स्थिरता व समृद्धि के प्रति समान प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। विदेश राज्य मंत्री ने कहा, यह साझेदारी हमेशा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ी है, जिसमें संपर्क, व्यापार और लोगों की आवाजाही को सुगम बनाना शामिल है। कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि भारत और बांग्लादेश मिलकर एक ऐसी साझेदारी बना रहे हैं, जो रणनीतिक, जनता पर केंद्रित, मजबूत और भविष्य की ओर देखने वाली है। उन्होंने कहा, दोनों देशों के सहयोग से विकास परियोजनाएं, क्षमता निर्माण और सीमा पार योजनाएं आगे बढ़ी हैं, जो साझा प्राथमिकताओं और समावेशी विकास के दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

भारत में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम सुरक्षित हैं और निडर होकर आगे बढ़ रहे हैं: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मध्य पूर्व में चल रहे संघर्षों, विशेष रूप से ईरान, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे युद्धों के वैश्विक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईरान और इज़राइल के बीच, और ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध से पूरा मध्य पूर्व प्रभावित है और लगभग पूरी दुनिया प्रभावित है। आदित्यनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि लेकिन दुनिया में अफरा-तफरी मची हुई है; अव्यवस्था और अराजकता फैली हुई है। भारत में, प्रधानमंत्री के शानदार और गौरवशाली नेतृत्व में, हम सुरक्षित हैं और निडर होकर विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के लोगों से संभावित चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने का आग्रह किया और राष्ट्रीय संकट के समय सरकार के साथ एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आती है या कोई चुनौती उत्पन्न होती है, तो उसका सामना करने के लिए व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है। जब हम किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं, तो परिणाम हम सबके सामने होते हैं। हमारी देशभक्ति इसी से परिभाषित होगी कि यदि सरकार ने देश के हित में कोई कदम उठाया है, तो हम उसके लिए स्वयं को तैयार रखें।

खाना पकाने के गैस सिलेंडरों से संबंधित चिंताओं को दूर करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि लाइन में लगने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि युद्ध से पहले, अगर किसी के घर में एक गैस सिलेंडर एक महीने तक चलता था, तो आज वह पांचवें या छठे दिन सिलेंडर लेने के लिए क्यों दौड़ रहा है? सुनिए, जब आपकी बारी आने वाली हो, तो उससे तीन या पांच दिन पहले जाकर अपना पंजीकरण करवा लें, और खाना पकाने की गैस आपके घर पहुंच जाएगी।

अफवाहें फैलाने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कुछ लोग अफवाहें फैलाकर माहौल खराब करना चाहते हैं। कुछ लोग अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने गलत सूचनाओं से बचने के महत्व पर जोर दिया और जनता से शांत रहने का आग्रह किया। योगी आदित्यनाथ ने भारत के ऊर्जा भविष्य की रूपरेखा भी प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने हरित हाइड्रोजन ऊर्जा और जापान के साथ तकनीकी सहयोग पर बल दिया। उन्होंने ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों का जिक्र करते हुए कहा, "हरित हाइड्रोजन ऊर्जा एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने जा रही है।

'सरकार इतनी जल्दी में क्यों?' महिला आरक्षण कानून पर मल्लिकार्जुन खरगे ने किरेन रिजिजू को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर पूछा कि सरकार महिला आरक्षण कानून में संशोधन करने में इतनी जल्दबाजी क्यों कर रही है। खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को लिखे पत्र में यह भी कहा कि सरकार को 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। खरगे का पत्र केंद्रीय मंत्री द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे गए उस पत्र के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन के लिए उसमें संशोधन की योजना पर बैठक का आग्रह किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मुझे आपका पत्र अभी 26 मार्च, 2026 को मिला है। विपक्षी दलों ने पहले ही 24 मार्च 2026 को आपको पत्र लिखकर सुझाव दिया है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए 29 अप्रैल, 2026 के बाद सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाए। खरगे ने कहा कि मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि सरकार एक संविधान संशोधन अधिनियम को पारित करने के 30 महीने बाद इसमें और संशोधन करने की इतनी जल्दी में क्यों है। हम सभी चुनाव अभियान में बेहद व्यस्त हैं। यही कारण है कि हमने सुझाव दिया था कि चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद बैठक बुलाई जाए। उनका कहना है कि विधानसभा चुनाव के बाद बैठक करने से 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संशोधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन पर असर नहीं होगा।

'हमें नहीं पता कि दो दिन बाद गैस मिलेगी या नहीं'

CM ममता का केंद्र पर हमला, बोलीं- बैलगाड़ी से चलना पड़ेगा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने चुनावी मंच से केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने रसोई गैस पर कहा कि हमें नहीं पता दो दिन बाद गैस मिलेगी या नहीं। बढ़ती कीमतों और सप्लाई को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को फिर से पुराने दिनों में लौटना पड़ सकता है। ममता ने कहा कि अगर गैस समय पर नहीं मिलेगी तो लोगों को बैलगाड़ी के दौर में लौटना पड़ेगा। उनके इस बयान ने चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है।

ममता बनर्जी ने कहा कि पहले गैस सिलेंडर करीब 400 रुपये में मिलता था, लेकिन अब इसकी कीमत 1100 रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बढ़ोतरी चुपचाप की गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें सूचना मिली कि गैस मिलने में 25 दिन की देरी हो रही है, जिसके बाद उन्होंने तुरंत बैठक बुलाई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर महिलाओं को 25 दिन बाद गैस मिलेगी तो वे खाना कैसे बनाएंगी।

ममता ने कहा कि बढ़ती कीमतें आम लोगों पर भारी बोझ डाल रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह सीधे गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन को प्रभावित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में गैस को लेकर असमंजस और चिंता का माहौल है।

राष्ट्रपति शासन और लॉकडाउन को लेकर क्या कहा?

ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति शासन की अटकलों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति शासन भी लागू किया जाता है, तो वह अकेले ही मुकाबला करने के लिए काफी हैं। उन्होंने लॉकडाउन की चर्चाओं पर भी कहा कि इतिहास खुद को दोहराता है, लेकिन उन्होंने कोविड के दौरान भी चुनाव कराए थे और अब भी कर सकती हैं।

'सलाहकारों के नियंत्रण में राहुल गांधी का दिमाग', केंद्रीय मंत्री रिजिजू का कांग्रेस नेता पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दिमाग पर उनके सलाहकारों का नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में वही बोलते हैं, जो उनके सलाहकार उन्हें कहते हैं। रिजिजू ने सदन में विपक्ष के नेता के टी-शर्ट पहनकर आने पर भी सवाल उठाया।

संसदीय कार्य मंत्री ने एक समाचार चैनल के सम्मेलन में यह बात कही। रिजिजू ने कहा कि संसद में हस्तक्षेप करते हुए उन्हें उन लोगों से बात करना अधिक सहज लगता है, जिन्होंने अहम योगदान दिया है।

राहुल गांधी को लेकर क्या कहा?

उन्होंने कहा, निजी तौर पर मुझे राहुल गांधी से कोई आपत्ति नहीं है। हम मिलते हैं। बैठक के दौरान और बैठक कक्ष में भी विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, क्योंकि वह विपक्ष के नेता हैं। यह ठीक है। कोई दिक्कत नहीं। लेकिन, जब आप सदन में औपचारिक रूप से बोल रहे होते हैं, तो आपको परंपराओं, नियमों और शिष्टाचार का पालन करना होता है। यह संसदीय लोकतंत्र का बहुत अहम पहलू है। लेकिन राहुल गांधी का दिमाग उनके कार्यकर्ता सलाहकारों के नियंत्रण में है। वह वही कहते हैं, जो उनके सलाहकार उन्हें कहते हैं।

कांग्रेस नेता की पोशाक पर क्या बोले?

उन्होंने जोर देकर कहा, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विपक्ष में थी, तब उसने कुछ मानकों का पालन किया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किए। लेकिन कभी कोई सीमा पार नहीं की। राहुल गांधी के संसद में अक्सर अनौपचारिक पोशाक में आने के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में व्यक्ति को उचित व्यवहार करना चाहिए और पहनावा इसका एक हिस्सा है। मंत्री ने कहा, उन्हें नियमों और शिष्टाचार को समझने में दिक्कत है। जब आप विपक्ष के नेता होते हैं, तो आपको एक तय व्यवहार करना पड़ता है। शालीन पहनावा भी इसका एक हिस्सा है। रिजिजू ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष बनने से पहले दिग्गज कम्युनिस्ट नेता सोमनाथ चटर्जी ढीली कमीज और चप्पलें पहना करते थे।

राम नवमी के जुलूसों के लिए पश्चिम बंगाल के तनावग्रस्त इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था सख्त

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में तनावग्रस्त इलाकों को गुरुवार की सुबह से ही व्यापक सुरक्षा घेरे में रखा गया है, क्योंकि दिन में राम नवमी के जुलूसों को लेकर तनाव और हिंसा की आशंका है। कोलकाता से सटे हुगली जिले के चंदननगर और उत्तरी दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। इस संबंध में बुधवार की शाम को राज्य सचिवालय, नबन्ना में एक आपातकालीन वर्चुअल बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला ने की और इसमें राज्य गृह सचिव संघमित्रा घोष, राज्य पुलिस महानिदेशक सिद्ध नाथ गुप्ता, जिला मजिस्ट्रेट और जिला पुलिस अधीक्षकों सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया, यह निर्णय लिया गया है कि जुलूसों के दौरान कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए विभिन्न जिलों में कुल 3,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। पुलिस को जुलूसों में किसी भी प्रकार की अशांति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। हावड़ा, चंदननगर और इस्लामपुर में विशेष सतर्कता बरती जाएगी, क्योंकि इन इलाकों में जुलूसों के दौरान हिंसा और तनाव की पिछली घटनाएं हो चुकी हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि कोलकाता पर विशेष ध्यान दिया गया है और राम नवमी के अवसर पर विभिन्न जुलूसों की सुरक्षा संभालने के साथ-साथ शहर में लगभग 1,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इस अवसर पर भड़काऊ पोस्टों के प्रसार को रोकने के लिए लगातार साइबर निगरानी की जा रही है।

प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को बताया दिल्ली का डकैत, शीशमहल में लगे लग्जरी आइटम्स का शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने केजरीवाल को दिल्ली का डकैत बताया है। प्रवेश वर्मा ने एक्स पोस्ट में लिखा, दिल्ली के डकैत की कहानी। भरोसे का चेहरा लेकर आया और खजाना अपने सपनों के शीशमहल में लगा गया। दिल्ली सरकार के मंत्री ने वीडियो पोस्ट शेयर किया है, जिसका शीर्षक है, धुरंधर पार्ट-3: दिल्ली के रहमान डकैत की कहानी। इस वीडियो में प्रवेश वर्मा खुद शीशमहल में लगे लग्जरी आइटम्स को दिखाते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, इससे एक दिन पहले बुधवार को दिल्ली विधानसभा में भी प्रवेश वर्मा ने इसी मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने सदन में एक लंबी सूची पेश करते हुए आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के सरकारी आवास को शीशमहल की तरह तैयार किया गया, जिसमें बेहद महंगे और लग्जरी सामान लगाए गए। प्रवेश वर्मा के मुताबिक, मुख्यमंत्री आवास में जिम से लेकर फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक हर चीज पर भारी खर्च किया गया। उन्होंने दावा किया कि एक ट्रेडमिल की कीमत करीब 14 लाख रुपए थी, और उसके लिए अलग से ट्रेनर को भी भुगतान किया गया। वहीं, डम्बल सेट पर करीब 3 लाख रुपए खर्च किए गए।

उन्होंने आगे बताया कि घर में 88 इंच का एक बड़ा टीवी लगाया गया जबकि तीन टीवी पर कुल 27 लाख रुपए खर्च किए गए। इसके अलावा चिमनी, सोफा, मिनी बार और एंट्रेंस लाइट जैसी सुविधाएं भी लगाई गईं, जो खर्च को और बढ़ाती हैं।

फर्नीचर पर हुए खर्च का जिक्र करते हुए प्रवेश वर्मा ने कहा कि सोफा सेट के लिए दो टेंडर जारी किए गए। एक 35 लाख रुपए का और दूसरा 1.5 लाख रुपए का। उन्होंने बताया कि घर में कुल 76 टेबल लगाए गए, जिन पर करीब 1 करोड़ 5 लाख रुपए खर्च हुए। इसके अलावा 8 बेड पर 40 लाख रुपए, कुर्सियों पर 60 लाख रुपए और कंसोल पर 50 लाख रुपए खर्च किए गए। दिल्ली सरकार के मंत्री ने यह भी दावा किया कि घर में 1.5 करोड़ रुपए के पर्दे (कर्टन) लगाए गए, जबकि 60 लाख रुपए के कारपेट और छोटे पफी (सोफे के साथ रखे जाने वाले स्टूल) भी खरीदे गए। उन्होंने कहा कि एक बड़ा डाइनिंग टेबल लगाया गया, जिसमें 28 लोग एक साथ बैठ सकते हैं और इसकी कीमत करीब 14 लाख रुपए है।

भाजपा झूठे प्रचार और फर्जी एमओयू की राजनीति कर रही, सभी एमओयू की जांच हो: अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा पर झूठे प्रचार और फर्जी एमओयू करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश में हुए सभी एमओयू की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठे प्रचार और इवेंट पर चलने वाली पार्टी है, जो जनता को धोखा देने और माहौल बनाने के लिए कंपनियों से फर्जी एमओयू करती है।बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि हाल ही में हुए एक एमओयू को लेकर पूरे देश में भाजपा सरकार की चर्चा हुई, जिससे इस सरकार की सच्चाई सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जिन कंपनियों से एमओयू कर रही है, उनका कोई मजबूत वित्तीय बैकग्राउंड नहीं है। भाजपा झूठे प्रचार पर चलती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हिटलर के समय जर्मनी में केवल एक प्रोपेगेंडा मिनिस्टर होता था, लेकिन भाजपा सरकार में केन्द्र और प्रदेश के सभी मंत्री खुद को प्रोपेगेंडा मिनिस्टर समझते हैं और झूठ बोलने में लगे हैं।

रसोई गैस और पेट्रोल की किल्लत को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता को लाइन के सिवा कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जनता की परेशानियों को दूर करने के लिए सरकार ने कोई ठोस तैयारी नहीं की, बल्कि 14.2 किलो के सिलेंडर को 10 किलो का कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के फैसलों ने लोगों को बार-बार लाइन में खड़ा किया है, लेकिन इस बार जनता लाइन में लगकर भाजपा का सफाया करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए से घबराई हुई है और पीडीए का दर्द नहीं समझ सकती।अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए के लोगों को सम्मान दिलाने के लिए समाजवादी लोग उन्हें जोड़कर आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र और प्रदेश सरकार एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को समझने में भी पीछे है और इस क्षेत्र में कोई प्रभावी प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर एआई का उपयोग खेती, किसानी और किसानों की भलाई के लिए किया जाएगा, जिससे समय रहते कई समस्याओं का अनुमान लगाया जा सकेगा।

उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह नकारात्मक सोच की पार्टी है और दूसरे नेताओं की छवि खराब करने के लिए धन खर्च करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण एलपीजी सिलेंडर आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है। समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता जनता को नकली लोगों और फर्जी एमओयू से सावधान करना है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने पूजनीय शंकराचार्य का अपमान किया और उनके खिलाफ साजिश की, ऐसे षड्यंत्रकारियों से जनता को सावधान रहने की जरूरत है।संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का स्पष्ट मत है कि महिला आरक्षण लागू किया जाए।

92 फीसदी जहाज किए नष्ट... 10 हजार ठिकानों पर हमले, ईरान से जंग को लेकर अमेरिका का दावा

तेहरान/वॉशिंगटन। इजरायल ने ईरान के इस्फहान शहर के आसपास बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इजरायल-ईरान के बीच जारी संघर्ष अब 27वें दिन में प्रवेश कर चुका है। हमलों में ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने दावा किया है कि युद्ध की शुरुआत के बाद से उसने ईरान के लगभग 10 हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान के 92 प्रतिशत जहाज भी नष्ट कर दिए गए हैं।

स्थानीय लोगों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार (26 मार्च 2026) सुबह इस्फहान क्षेत्र में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इस्फहान में ईरान का एक प्रमुख एयरबेस और कई अन्य सैन्य सुविधाएं मौजूद हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' ने दावा किया कि हमले दो आवासीय इलाकों में भी हुए, हालांकि विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई। इससे पहले भी इस्फहान को निशाना बनाया जा चुका है। पिछले वर्ष जून में 12 दिन के संघर्ष के दौरान यहां के परमाणु स्थल पर भी बमबारी हुई थी। इजरायली सेना ने इन हमलों को व्यापक बताया है और कहा है कि प्रोडक्शन एरिया तथा रक्षा से जुड़ी इकाइयों को निशाना बनाया गया। इस्फहान प्रांत की कई औद्योगिक साइट्स प्रभावित हुई हैं, जहां हथियार निर्माण से जुड़ी गतिविधियां होती हैं। हालांकि, ईरान की ओर से अब तक नुकसान का विस्तृत आकलन सामने नहीं आया है। करीब चार सप्ताह से जारी इस संघर्ष में दोनों पक्षों के बीच लगातार हमले हो रहे हैं। इजरायल और अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई ईरान के मिसाइल और रक्षा तंत्र को कमजोर करने पर केंद्रित बताई जा रही है।

रिश्ते नहीं, इंसानियत जीती! पत्नी-बेटी ने छोड़ा, हिंदू बुजुर्ग का मुस्लिम परिवार बना सहारा... श्मशान में चिता को दी आग

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में अगवानपुर नगर पंचायत से सांप्रदायिक सौहार्द की एक भावुक कहानी सामने आई है। इस मामले ने समाज में गिरते मानवीय मूल्यों के बीच एक नई उम्मीद जगाई है। दरअसल, सिविल लाइन थाना इलाके के अगवनपुर के 76 वर्षीय तेजपाल सिंह के निधन के बाद, उनके अंतिम संस्कार से जब सगे संबंधियों ने मुह मोड़ लिया है, तो स्थानीय मुस्लिम समुदाय और हिंदू युवाओं ने मिलकर न केवल उनकी अंतिम विदाई की, बल्कि गंगा-जमुनी तहजीब की एक नई मिसाल पेश की।

बिजनौर जिले के रहने वाले तेजपाल, जो कभी पेपर मिल में इलेक्ट्रिशियन हुआ करते थे, 1997

में एक हादसे के बाद दिव्यांग हो गए थे। इसके बाद, उनकी जिंदगी में दुखों का पहाड़ सा टूट पड़ा था। पारिवारिक कलह के कारण पत्नी और इकलौती बेटी से संबंध टूट गए और वे पूरी तरह अकेले हो गए थे। ऐसे समय में, आसिफ नामक व्यक्ति और उनके परिवार ने तेजपाल को सहारा दिया था। पिछले 15 वर्षों से आसिफ का परिवार बिना किसी स्वार्थ के उनके भोजन और दवाइयों का ख्याल रख रहा था। जब तेजपाल का देहांत हुआ, तो पुलिस ने उनकी पूर्व पत्नी और पैतृक गांव बिजनोर में सूचना दी थी, लेकिन मृतक की पत्नी ने तलाक का हवाला देते हुए आने से इनकार कर दिया था।

अगवानपुर के मुस्लिम भाइयों ने चंदा इकट्ठा कर अंतिम संस्कार की सामग्री जुटाई और हिंदू रीति-रिवाज से उनकी अर्थी को कंधा देकर श्मशान घाट न होने की बाधा के बावजूद, रामगंगा किनारे एक युवक मोनू ने उन्हें मुखाग्नि दी है। मुरादाबाद की यह घटना साबित करती है कि मजहब से ऊपर उठकर मानवता का धर्म ही सबसे बड़ा धर्म है।

आसिफ ने 15 साल तक की सेवा

तेजपाल सिंह और आसिफ के बीच का रिश्ता साल 2011 में शुरू हुआ था, जब तेजपाल ने अपना घर आसिफ को बेच दिया था। घर बेचने के बाद वे कुछ समय बाहर रहे थे, लेकिन यादें उन्हें वापस खींचकर उस मकान में ले आई थीं जहां तेजपाल ने अपनी जिंदगी बिताई थी। तेजपाल ने आसिफ से उसी घर में आखिरी सास तक रहने की इच्छा जताई और कहा कि उनकी अंतिम यात्रा इसी चौखट से निकले। आसिफ ने दरियादिली दिखाते हुए न केवल उन्हें रहने की जगह दी, बल्कि अपने बच्चों को उनकी सेवा में लगा दिया था। आसिफ का दस वर्षीय बेटा अमान रोज उनके लिए खाना लेकर जाता था। रोज की तरह खाना लेकर पहुंचा, तो घर का दरवाजा नहीं खुला तब इस दुखद घटना का पता चला। आसिफ के परिवार ने परायों के बीच जो अपनापन दिखाया है, वह आज के दौर में सराहनीय और दुर्लभ है।

इलाके में शमशान घाट बनवाने की मांग

इस मार्मिक विदाई के बीच अगवानपुर की एक बड़ी समस्या भी उजागर हुई है। स्थानीय निवासियों और रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने गहरा रोष व्यक्त किया कि कस्बे में हिंदू समाज के लिए कोई व्यवस्थित श्मशान घाट नहीं है। तेजपाल सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान भी लोगों को ऊबड़-खाबड़ जमीन और गड्ढों के बीच क्रिया-कर्म करना पड़ा है। लोगो का आरोप है कि इलाके में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे तो बहुत हैं, लेकिन श्मशान के लिए जमीन आवंटित नहीं की जा रही है। इसके चलते कई बार बजट आने के बावजूद वापस लौट गया। लोगों ने मांग की है कि इस मानवीय मिसाल से प्रेरणा लेकर नगर पंचायत प्रशासन को अब कम से कम बुनियादी सुविधाएं तो सुनिश्चित करनी ही चाहिए।

दहेज के खिलाफ एकजुट हुआ मुस्लिम समाज

सुल्तानपुर। इसौली विधानसभा के इस्लामगंज में दहेज प्रथा के खिलाफ आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता रही, जिसका आयोजन मुस्लिम समाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि न तो लड़के वाले दहेज लेंगे और न ही बेटी वाले दहेज देंगे — समाज को इस कुरीति से मुक्त करने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है। इसके पश्चात अन्य सामाजिक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें समाज के उत्थान और आपसी सौहार्द को मजबूत करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के बाद विधानसभा क्षेत्र के असरोगा, सुरजीपुर, रवनिया पूरब, रंकेडीह, सरकंडेडीह, मुडुही, नेवादा, बरमजीतपुर, कोरवा, गजेड़ी, अझुही सहित अन्य ग्रामों का सघन दौरा कर क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना एवं आगामी विधानसभा में पीडीए के समर्थन वाली समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की अपील की I

'नहीं जाऊंगी ससुराल... 'नहीं मानी तो पति ने जहर खाकर दे दी जान, 3 महीने पहले ही हुई थी बेटी

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने कथित रूप से जहर खाकर अपनी जान दे दी। यह मामला जिले के इनामपुरा गांव का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इनामपुरा निवासी अरविंद की शादी करीब पंद्रह महीने पहले बिजनौर शहर के घेर रामबाग इलाके की रहने वाली प्रीति के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के रिश्ते में खटास आने लगी। दंपति को तीन महीने पहले एक बेटी भी हुई थी, लेकिन इसके बावजूद उनके बीच का तनाव कम नहीं हुआ। घरवालों का आरोप है कि प्रीति शहर में पली-बढ़ी थी, उसे गांव का माहौल रास नहीं आया। इसी कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होने लगा। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि जनवरी महीने में प्रीति अपने मायके चली गई और वहीं रहने लगी। इसके बाद अरविंद और उसके परिवार वालों ने कई बार बिजनौर जाकर प्रीति और उसके परिजनों से बातचीत की और उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह वापस ससुराल आने को तैयार नहीं हुई। दोनों परिवारों के बीच समझौते की कई कोशिशें नाकाम रहीं। मंगलवार, 24 मार्च को अरविंद एक बार फिर अपने रिश्तेदारों के साथ घेर रामबाग पहुंचा। वहां स्थानीय लोगों की मौजूदगी में एक बैठक की गई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच बातचीत कर मतभेद दूर करने की कोशिश की गई। इस दौरान प्रीति और उसके पिता ओमप्रकाश सहित अन्य परिजनों से अपील की गई कि वे आपसी गलतफहमियों को भुलाकर दांपत्य जीवन को फिर से शुरू करें। हालांकि, बैठक का कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। प्रीति ने अरविंद और उसके परिवार पर कई आरोप लगाते हुए उसके साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, उसने यह भी चेतावनी दी कि यदि उसे परेशान किया गया तो वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी। इस घटनाक्रम से अरविंद बेहद आहत हो गया और निराश होकर अपने गांव लौट आया। गांव लौटने के बाद उसकी हालत अचानक बिगड़ने लगी और उसे उल्टियां होने लगीं। परिजन उसे तत्काल एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि उसने जहर खा लिया था। अरविंद की मौत की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, उसके पिता मदन सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बेटे की मौत के पीछे ससुराल पक्ष का हाथ है और उसे जहर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नैतिक पार्टी के पूर्वांचल प्रभारी बने प्रेम मोहन त्रिपाठी, समर्थकों में उत्साह

सुल्तानपुर। शहर के पयागीपुर निवासी प्रेम मोहन त्रिपाठी को नैतिक पार्टी का पूर्वांचल प्रभारी बनाए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जैसे ही उनके नियुक्ति की खबर सुल्तानपुर पहुंची, समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। शहर पहुंचने पर लोगों ने मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी और फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी को पूर्वांचल क्षेत्र में नई मजबूती मिलेगी और संगठन का विस्तार तेजी से होगा। प्रेम मोहन त्रिपाठी ने सभी समर्थकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। स्वागत कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व में क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने और जनता के बीच सक्रिय रहने का संकल्प भी लिया।

'70 नंबर दे देना, नहीं तो सौतेली मां मुझे मारेगी...'

उत्तर प्रदेश बोर्ड की कॉपियों में लिखे जवाब को पढ़ते ही छूटी टीचरों की हंसी

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की कॉपियों का मूल्यांकन इन दिनों तेजी से जारी है। इस दौरान छात्रों की आंसर सीट में लिखी इमोशनल लाइनें शिक्षकों का ध्यान खींच रही हैं। कई छात्रों ने अपनी कॉपियों में पास होने के लिए विनती भरे मैसेज लिखे हैं।

कॉपी जांचने वाले एक शिक्षक ने बताया कि हाईस्कूल की विज्ञान की आंसर सीट पर एक छात्र ने लिखा था कि सर मुझे कम से कम 70 नंबर दे देना, नहीं तो मेरी सौतेली मां मुझे मारेगी। वहीं, एक अन्य टीचर ने बताया कि सर, इस बार पास कर दीजिए, अगली बार पक्का मेहनत करूंगा। वहीं एक अन्य छात्र ने लिख कि बड़े-बड़े देशों में छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सर इतना ही आता है, कृपया पास कर दीजिए।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक चली थीं। गाजीपुर जिले में करीब 1।40 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि लगभग 6 हजार छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए। अब कॉपियों की जांच का कार्य अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। हालांकि गोपनीयता बनाए रखने के लिए यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है कि किस जिले की कॉपियां कहां जांची जा रही हैं।

8 लाख कॉपियों का मूल्यांकन होना है

गाजीपुर जिले में पांच केंद्रों पर कॉपियों का मूल्यांकन लगातार जारी है। इस कार्य में विभिन्न विषयों के सैकड़ों शिक्षक लगाए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रकाश सिंह के अनुसार, जिले में लगभग 8 लाख कॉपियों का मूल्यांकन होना है, जिसमें से अब तक करीब 60 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हो रही है, ताकि पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे। मूल्यांकन के दौरान सामने आ रही इन दिलचस्प अपीलों को लेकर शिक्षकों के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कई शिक्षक इन संदेशों को एक-दूसरे को सुनाकर हल्की-फुल्की हंसी-मजाक भी कर रहे हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अपीलों का मूल्यांकन प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ता और कॉपियों की जांच पूरी तरह से निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जाती है।

गाजीपुर में 1784 कुंवारों की गुहार, हमारी भी शादी करा दे सरकार, क्या है मामला?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश में 1784 कुंवारों ने सरकार से अपनी शादी करवाने की गुहार लगाई है। इन युवाओं ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आवेदन तो कर दिया, लेकिन महीनों बीतने के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं मिला है। विभाग की चुप्पी के बीच अब ये वर-वधू अपनी शादी की तारीख का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, इनकी उम्मीदें अधर में लटकी हुई हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में शुरू की गई थी। इस योजना के तहत पहले एक जोड़े की शादी पर सरकार की ओर से 51 हजार रुपये खर्च किए जाते थे, जिसे बढ़ाकर पिछले वित्तीय वर्ष में 1 लाख रुपये कर दिया गया। यही कारण है कि अब इस योजना के प्रति लोगों का रुझान

तेजी से बढ़ा है और बड़ी संख्या में लोग आवेदन कर रहे हैं।

योजना की खास बात यह है कि इसमें जाति और धर्म का कोई बंधन नहीं है। हिंदू जोड़ों की शादी जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों से कराई जाती है, वहीं मुस्लिम जोड़ों का निकाह काजी द्वारा संपन्न कराया जाता है। गाजीपुर जिले में यह योजना वर्ष 2017 से लागू है और अब तक कुल 7967 जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत कराया जा चुका है। यदि पिछले वित्तीय वर्ष की बात करें तो शासन द्वारा 799 शादियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके मुकाबले समाज कल्याण विभाग ने 796 शादियां संपन्न कराईं। यानी लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया गया, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में आवेदन लंबित रह गए।

शादी के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किए जाते हैं। वर्तमान में पोर्टल पर 1784 जोड़े ऐसे हैं, जिन्होंने आवेदन तो कर दिया है, लेकिन उनकी शादी की तिथि तय नहीं हो सकी है। ये सभी लाभार्थी अब अगले वित्तीय वर्ष का इंतजार करने को मजबूर हैं। मार्च माह में वित्तीय वर्ष के समापन के चलते इस वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य पूरा किया जा चुका है, जिसके कारण नए आवेदनों पर फिलहाल कार्रवाई संभव नहीं है।

क्या बोले अधिकारी?

जिला समाज कल्याण अधिकारी राम नगीना यादव के अनुसार, पोर्टल पर लंबित आवेदनों को अगले वित्तीय वर्ष में प्राथमिकता दी जाएगी। जैसे ही शासन की ओर से नया बजट जारी होगा और शादी की तिथियां घोषित होंगी, तब इन सभी जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार कराया जाएगा।

अभी भी जारी है मेडिकल कालेज में बदइंतजामी का दौर

सुल्तानपुर। राजकीय मेडिकल कालेज से प्राचार्य द्वारा 43 कर्मचारियों को रिलीव करने के बावजूद अभी भी कुछ रिलिविंग से बचे हुए चिकित्सक अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस से बाज नहीं आ रहे है यही मंजर जनपद को वाराणसी से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इकलौता ट्रॉमा सेंटर में भी देखने को मिल रहा है मेडिकल कॉलेज के अधीन होने के बावजूद यहां आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं धडाम नजर आ रही हैं। हालत यह है कि सड़क हादसों में घायल मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा, जिससे उनकी परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

जानकारी के अनुसार ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सकों की तैनाती होने के बावजूद नियमित सेवाएं नहीं मिल रही हैं। यहां डॉक्टर समीर सुमन, डॉक्टर आर. ए. वर्मा, डॉक्टर गुफरान समेत दो जूनियर रेजिडेंट तैनात हैं, लेकिन केंद्र पर सेवाएं सिर्फ सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ही सीमित हैं।

सरेशाम गोली मारकर प्रापर्टी डीलर की हत्या

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। व्यवसाय के लिए प्लाटिंग की गई जमीन में रास्ते के विवाद को लेकर आपसी बैठक में समझौता न होने पर हिस्सेदारों द्वारा सरेशाम हत्या किए जाने का आरोप लगा है। पुलिस ने तीन नामजद सहित एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला कुड़वार थाना क्षेत्र के कस्बे का है।बताया जाता है कि बुधवार सरेशाम हलियापुर–सुल्तानपुर मार्ग स्थित एक कॉम्प्लेक्स में खड़े माता प्रसाद पांडेय (55) पुत्र स्व. वशिष्ठ पांडेय निवासी पूरे बेनी माधव (नरवापार) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। देर रात मृतक के बेटे अवनीश पांडेय ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके पिता ने बांसी गांव निवासी अशोक तिवारी से चौहद्दी देकर जमीन लिखाई थी, जिसे लेकर हिस्सेदार रमेश मौर्य असंतुष्ट थे।आरोप है कि बुधवार दिन

में जुड़इयापुर गांव में सतीश उपाध्याय के घर बैठक हुई, जिसमें रमेश मौर्य, सुरेंद्र शर्मा, रुस्तम, राहुल सिंह व अजय शुक्ला मौजूद थे। बैठक के दौरान मृतक और सुरेंद्र शर्मा के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि सुरेंद्र शर्मा और रमेश मौर्य यह कहते हुए वहां से चले गए कि थोड़ी देर रुको, अभी तुमसे रास्ता ले लेंगे।शाम करीब सात बजे कुड़वार कस्बे में कॉम्प्लेक्स के पास खड़े माता प्रसाद पांडेय पर दो बाइक सवार बदमाशों ने गोली चला दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना में रमेश मौर्य, उसका बेटा अनुराग, सुरेंद्र शर्मा व एक अज्ञात व्यक्ति शामिल था।पुलिस ने बेटे की तहरीर पर तीन नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ सिटी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।उधर,देर रात पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।

193 जोड़ों ने लिए सात फेरे, 3 जोड़ों का निकाह, 1 सिख जोड़े का आनंद कारज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गुरुवार को बल्दीराय ब्लॉक परिसर में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें कुल 197 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। वैदिक मंत्रोच्चार,निकाह और सिख रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुए विवाह समारोह ने सामाजिक समरसता और सामूहिक सहयोग की मिसाल पेश की। बड़ी संख्या में परिजन,जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय लोग इस आयोजन के साक्षी बने।समारोह में 193 जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अग्नि के सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने की शपथ ली।वहीं मुस्लिम समुदाय के तीन जोड़ों का निकाह हाजी द्वारा पढ़ाया गया तथा एक सिख जोड़े का विवाह सिख परंपरा के अनुसार आनंद कारज

से संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह समारोह में सभी धर्मों और समुदायों के लोगों की सहभागिता देखने को मिली।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा सिंह,विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार,जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित सिंह,खंड विकास अधिकारी विमलेश चंद्र त्रिवेदी और भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल जायसवाल मौजूद रहे।अतिथियों ने नवदंपतियों पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय दांपत्य जीवन व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बहुत बड़ी राहत है।इस योजना से बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग मिल रहा है और समाज में सामूहिक विवाह को बढ़ावा मिल रहा है।उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है,जिसका लाभ सीधे आम जनता को मिल रहा है।कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित सिंह की देखरेख में किया गया। समारोह के अंत में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को प्रमाण-पत्र व उपहार भेंट कर विदा किया।

पहले अश्लील हरकत, फिर सब्जी बेचने वाले के घर पर पथराव... बुजुर्ग महिला को लगी ईंट, मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के जाटवपुरा टायर मंडी क्षेत्र से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां बुधवार देर रात एक मामूली विवाद में पड़ोसियों के बीच शुरू हुई कहासुनी धीरे-धीरे मारपीट और फिर पथराव में बदल गई। इस दौरान एक 65 साल की बुजुर्ग महिला को ईंट लग गई, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक का नाम मारुख बेगम है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दरअसल, बरेली के जाटवपुरा निवासी इमरान अपने घर के बाहर ही सब्जी बेचने का काम करता है। आरोप है कि पास में किराने की दुकान चलाने वाला युवक अर्सल उससे अश्लील हरकत करने लगा। इस बात से परेशान होकर इमरान ने इसकी शिकायत आरोपी की मां से

की। यही बात आगे चलकर विवाद की वजह बन गई।

आरोप है कि शिकायत से नाराज होकर आरोपी पक्ष के लोगों ने इमरान के साथ मारपीट शुरू कर दी। खुद को बचाने के लिए इमरान किसी तरह अपने घर के अंदर भाग गया और दरवाजा बंद कर लिया। लेकिन मामला यहीं शांत नहीं हुआ, बल्कि और बढ़ गया।

दरवाजा न खुलने पर शुरू हुआ पथराव

इमरान का आरोप है कि इसके बाद आरोपी अपने परिवार के अन्य लोगों जैसे चाचा और ताऊ को लेकर वहां पहुंच गए। उन्होंने घर का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन जब वे कामयाब नहीं हुए तो बाहर से ही दीवार के ऊपर से पथराव करना शुरू कर दिया।

इसी दौरान फेंकी गई एक ईंट सीधे इमरान की मां मारुख बेगम के सीने में जा लगी। ईंट लगते ही वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी हालत बिगड़ने लगी। परिवार के लोग तुरंत उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने रात उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मारुख बेगम पहले से ही दिल की मरीज थीं, जिससे चोट का असर और ज्यादा गंभीर हो गया। उनकी मौत की खबर मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग डर के माहौल में आ गए।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी प्रेमनगर सुरेन्द्र ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिय टीम लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की पूरी जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कृषि GDP ₹6.95 लाख करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य, किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में योगी सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति और विकास यात्रा में कृषि हमेशा से केंद्रीय विषय रही है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि लंबे समय तक अन्नदाता केवल घोषणाओं और वादों के बीच ही सिमटा रहा। ऐसे परिदृश्य में नव निर्माण के 9 वर्ष और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य की कृषि व्यवस्था में आए बदलावों को एक व्यापक संदर्भ में देखना जरूरी है।

आंकड़े संकेत देते हैं कि वर्ष 2017 के बाद यूपी में कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर, उसे समग्र आर्थिक गतिविधि के रूप में विकसित करने का प्रयास हुआ है। बीज से बाजार तक की अवधारणा के तहत किसान को नीति के केंद्र में लाने का दावा किया गया है । यह बदलाव केवल नीतिगत भाषा का नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकताओं का भी प्रतीक है।

देश का फूड बास्केट

यदि कृषि अर्थव्यवस्था की बात करें, तो राज्य का कृषि जीडीपी ₹2.196 लाख करोड़ से बढ़कर ₹6.195 लाख करोड़ तक पहुंचना इस परिवर्तन की दिशा को दर्शाता है। देश के खाद्यान्न उत्पादन में 21 प्रतिशत योगदान और उत्पादन में 32 प्रतिशत की वृद्धि यह स्थापित करती है कि उत्तर प्रदेश ने अपनी कृषि क्षमता का प्रभावी उपयोग किया है। यही कारण है कि आज राज्य को देश के फूड बास्केट के रूप में देखा जाने लगा है।

नव निर्माण के इन 9 सालों में सबसे बड़ा हस्तक्षेप किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के रूप में सामने आया है। 86 लाख से अधिक किसानों की ऋण माफी ने उन्हें तत्काल राहत दी, वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 3.12 करोड़ किसानों को ₹99,000 करोड़ से अधिक की सहायता ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा दी । इसके साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड और फसल बीमा जैसी योजनाओं ने जोखिम प्रबंधन को भी मजबूत किया है।

गन्ना क्षेत्र में भी सुधार

योगी आदित्यनाथ सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में गन्ना क्षेत्र में सुधार को भी गिना जा सकता है। जहां पहले भुगतान में देरी और बकाया एक स्थायी समस्या थी, वहीं अब ₹3.12 लाख करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड भुगतान इस क्षेत्र में विश्वास बहाली का संकेत देता है । एथेनॉल उत्पादन में प्रदेश का अग्रणी बनना यह दर्शाता है कि कृषि को उद्योग से जोड़ने की दिशा में ठोस प्रयास हुए हैं। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि गन्ना पर अत्यधिक निर्भरता से बचते हुए अन्य फसलों को भी समान महत्व दिया जाए।

सिंचाई के क्षेत्र में हुए विस्तार को भी नव निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा सकता है। सिंचाई क्षमता का 82 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 105 लाख हेक्टेयर तक पहुंचना, 1300 से अधिक परियोजनाओं का पूरा होना और सोलर पंपों की स्थापना यह दर्शाती है कि जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी गई है । बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में इसका प्रभाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां पानी की कमी लंबे समय से कृषि के लिए सबसे बड़ी बाधा रही है।

कृषि को आधुनिक बनाने का प्रयास

तकनीकी बदलाव भी इस अवधि की एक प्रमुख विशेषता रहे हैं। ड्रोन तकनीक, ई-मंडी और किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में प्रयास हुए हैं। 15 लाख से अधिक किसानों का प्रशिक्षण और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ाव यह दर्शाता है कि खेती अब पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकल रही है । लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि छोटे और सीमांत किसानों तक इन तकनीकों की पहुंच सुनिश्चित करना अभी भी एक चुनौती है। पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और उद्यानिकी के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखा है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विविधीकरण का संकेत है, जो किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नव निर्माण के 9 वर्षों में यह स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने कृषि को प्राथमिकता दी है और कई मोर्चों पर सुधार किए हैं। नव निर्माण के ये 9 वर्ष एक मजबूत आधार अवश्य तैयार करते हैं, लेकिन अब अगली चुनौती इस आधार को स्थायी समृद्धि में बदलने की है। यही उत्तर प्रदेश की कृषि नीति की असली कसौटी होगी।

2047 तक विकसित भारत के लिए हर नागरिक तय करे अपना 'आत्म लक्ष्य' : ए.के. शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ए. के. शर्मा ने जनपद भदोही के जीआईसी ग्राउंड (ज्ञानपुर) में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रत्येक नागरिक को अगले दस वर्षों के लिए अपना 'आत्म लक्ष्य' निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय पीछे मुड़कर देखने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर बड़ी छलांग लगाने का है। वर्ष 2047 तक देश और प्रदेश को विकसित बनाने के लिए गांव, तहसील, ब्लॉक और प्रत्येक नागरिक को मिलकर प्रयास करना होगा। इस अभिनव पहल को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि उपस्थित जनसमूह ने भी आत्म लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प

लिया।अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है और इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब हर व्यक्ति अपने लक्ष्य को लेकर संकल्पित होगा, तभी प्रदेश और देश तेजी से प्रगति करेगा। इस दौरान उन्होंने नरेंद्र मोदी एवं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व विकास किया है। सड़क, बिजली, ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि, आवास और कानून व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं और प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से निकलकर अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, सांसद विनोद बिंद, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर तथा ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से रखा। कार्यक्रम के अंत में मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रेस वार्ता के माध्यम से सरकार के 9 वर्षों के कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना तथा निशुल्क खाद्यान्न योजना से लाभान्वित लोगों की संख्या की जानकारी दी।इस अवसर पर मंत्री ए.के. शर्मा ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण भी किया तथा बच्चों द्वारा प्रस्तुत एंटी रोमियो विषयक नुक्कड़ नाटक की सराहना की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, पूर्व विधायक रविंद्र त्रिपाठी, जिलाधिकारी शैलेश कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सपा मुख्यालय में मनाई गई सम्राट अशोक मौर्य जयंती, अखिलेश यादव ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आज चक्रवर्ती सम्राट अशोक मौर्य की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। अखिलेश यादव ने सम्राट अशोक मौर्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व विधान परिषद सदस्य आर.एस. कुशवाहा, फर्रूखाबाद लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी नवल किशोर शाक्य तथा समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा सहित अन्य नेताओं ने भी सम्राट अशोक मौर्य की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि सम्राट अशोक मौर्य महान और चक्रवर्ती राजा थे, जिन्होंने बौद्ध धर्म को भारत की सीमाओं से बाहर फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक ने पूरी दुनिया को शांति, सौहार्द और सद्भाव का संदेश दिया। उनके द्वारा बनवाए गए अशोक स्तंभ और शिलालेख आज इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो उनके महान कार्यों की याद दिलाते हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सम्राट अशोक मौर्य के बताए मार्ग पर चलकर देश और समाज को नई दिशा देने का संकल्प लेती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के बाद गोमती रिवरफ्रंट पर सम्राट अशोक मौर्य की भव्य प्रतिमा स्थापित कर उन्हें सोने के सिंहासन पर बैठाकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक स्वामी ओमवेश, विधायक आशू मलिक, कुशवाहा और शाक्य समाज के लोग तथा समाजवादी पार्टी के समर्थक मौजूद रहे।

चिनहट हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार, आलाकत्ल चाकू व मृतक का मोबाइल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। चिनहट क्षेत्र में युवक की गला रेतकर की गई निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना का सफल अनावरण कर तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम/सर्विलांस टीम पूर्वी जोन एवं थाना चिनहट की संयुक्त पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रक्तरंजित आलाकत्ल चाकू, मृतक का मोबाइल फोन तथा एक अभियुक्त की रक्तरंजित चप्पल बरामद की है।पुलिस के अनुसार थाना चिनहट पर पंजीकृत मु0अ0सं0 157/26 धारा 103(1) बीएनएस के तहत दर्ज मुकदमे में सुसंगत साक्ष्य मिलने पर धारा 3(5) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। इस प्रकरण में प्रकाश में आए अभियुक्त अनस खान पुत्र अनीश खान (उम्र 19 वर्ष), आशु निषाद पुत्र सचिन निषाद (उम्र 19 वर्ष) तथा प्रियांशु गुप्ता पुत्र बृजेश कुमार गुप्ता (उम्र 21 वर्ष) निवासीगण कल्याणी विहार, कमता थाना चिनहट को 26 मार्च 2026 को किसान पथ सर्विस रोड पर ईमलियाबाधम मंदिर जाने वाले मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घटना का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि 24 मार्च 2026 को अभियुक्तों ने योजनाबद्ध तरीके से रितेश उर्फ बाला को उसके परिचित प्रियांशु गुप्ता के माध्यम से आवास संघ के खाली मैदान में बुलाया था। वहां पहले से मौजूद अनस खान, आशु निषाद तथा उनके एक अन्य साथी अरबाज ने मिलकर रितेश उर्फ बाला की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।इस मामले में मृतक के पिता दयाशंकर सिंह पुत्र स्वर्गीय देवधारी सिंह निवासी कल्याणी विहार कॉलोनी, चिनहट द्वारा 25 मार्च 2026 को थाना चिनहट में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमे की विवेचना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र मिश्रा द्वारा की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया था और पूरे मामले को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए शीघ्र अनावरण के निर्देश दिए थे।उच्चाधिकारियों के निर्देशन में फारेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड की सहायता से घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया तथा महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए। घटना के सफल अनावरण के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की और उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।पुलिस पूछताछ के दौरान अभियुक्त अनस खान और आशु निषाद की निशानदेही पर

₹5 लाख की मांग और धमकी से युवक की आत्महत्या, बंथरा पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत थाना बंथरा पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और महिला को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी द्वारा मृतक से ₹5 लाख की मांग और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने के चलते युवक द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया था।पुलिस के अनुसार ग्राम लतीफनगर, थाना बंथरा क्षेत्र की रहने वाली वादिनी द्वारा अपने पति स्वर्गीय बबलू (उम्र लगभग 32 वर्ष) को आत्महत्या के लिए उकसाने तथा स्वयं व परिवार को जान से मारने की धमकी देने के संबंध में न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। माननीय न्यायालय के आदेश पर 174 बीएनएसएस के अंतर्गत 28 मई 2025 को थाना बंथरा में मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन और मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना बंथरा पुलिस ने लतीफनगर से रसूलपुर जाने वाली सड़क के पास से आरोपी राकेश कुमार (उम्र 44 वर्ष) निवासी ग्राम लतीफनगर, थाना बंथरा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी राकेश कुमार मृतक बबलू से ₹5,00,000 की मांग कर रहा था और पैसे न देने पर उसे झूठे दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाने की धमकी देता था। लगातार मानसिक प्रताड़ना और दबाव के चलते मृतक बबलू ने 23 दिसंबर 2024 को लगभग 11 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

दीनदयाल नगर में कलेक्शन लेकर जा रहे युवक से लूट, विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला

लखनऊ। थाना मदेयगंज क्षेत्र में देर रात कलेक्शन की धनराशि लेकर जा रहे युवक से लूट की घटना सामने आई है। घटना 25 मार्च 2026 को रात करीब 23:28 बजे दीनदयाल नगर स्थित तरन्नुम मार्केट गली में हुई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मदेयगंज पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।प्रारंभिक पूछताछ में पीड़ित हर्ष जायसवाल पुत्र संजय कुमार जायसवाल निवासी सराय प्रेमराज, थाना काकोरी ने बताया कि वह मनीष जायसवाल निवासी दीनदयाल नगर खदरा, थाना मदेयगंज की स्वामित्व वाली शराब दुकानों से प्रतिदिन बिक्री की धनराशि उनके आवास तक पहुंचाने का कार्य करता है।बताया गया कि 25 मार्च की देर रात वह रोज की तरह बिक्री की धनराशि लेकर अपनी स्पलेण्डर मोटरसाइकिल से जा रहा था।

11 अप्रैल को गांधी भवन में होगा कांग्रेस विधि विभाग का एक दिवसीय सम्मेलन, तैयारियों को लेकर हुई बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि विभाग द्वारा 11 अप्रैल 2026 को राजधानी के गांधी भवन (प्रेक्षागृह), कैसरबाग में अधिवक्ताओं का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में अभिषेक मनु सिंघवी, चेयरमैन, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी विधि, आरटीआई एवं मानवाधिकार विभाग की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के चेयरमैन एडवोकेट अली आसिफ जमा रिजवी करेंगे।सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आज विधि विभाग के चेयरमैन एडवोकेट अली आसिफ जमा रिजवी द्वारा विभागीय पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदाधिकारियों को उनके कार्यक्षेत्रों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक का संचालन विधि विभाग के प्रदेश समन्वयक एडवोकेट सरवन कुमार अवस्थी द्वारा किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट अमानुर रहमान ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा मानवाधिकार विभाग का विधि विभाग में विलय किए जाने का निर्णय संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से समाज के शोषित, पीड़ित वर्गों और महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध कांग्रेस पार्टी उनकी आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई और अधिक प्रभावी ढंग से लड़ेगी तथा उन्हें न्याय दिलाने का कार्य करेगी।बैठक में विधि विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभारी (संगठन) एडवोकेट मो. अनस खान, उपाध्यक्ष (प्रभारी) मीडिया एडवोकेट अमानुर रहमान, प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट शैलेष त्रिपाठी, एडवोकेट राजेश विद्यार्थी, प्रदेश कोऑर्डिनेटर एडवोकेट किरन बाजपेयी, एडवोकेट अनिल तिवारी, एडवोकेट जितेन्द्र कुमार शर्मा, एडवोकेट राम प्रसाद गुप्ता, एडवोकेट विजय कुमार, एडवोकेट डोली चन्द्रा, एडवोकेट विकास चौधरी तथा नसर जिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रामनवमी भगवा यात्रा के दौरान शहर में कई मार्गों पर रहेगा यातायात डायवर्जन, शाम 4 से 7 बजे तक लागू रहेगी व्यवस्था

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। रामनवमी के अवसर पर 27 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली धार्मिक भगवा यात्रा के दृष्टिगत शहर में व्यापक यातायात डायवर्जन लागू किया गया है। यह यात्रा सायं 4:00 बजे कपूरथला चौराहा से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों और तिराहों से गुजरते हुए सायं 7:00 बजे खाटू श्याम मंदिर पर समाप्त होगी। यात्रा के दौरान आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं।

जारी यातायात योजना के अनुसार यात्रा के दौरान छन्नीलाल चौराहा से कपूरथला चौराहा की ओर सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा। यह यातायात मिडलैंड अस्पताल तिराहा से नीरा नर्सिंग होम होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेगा। इसी प्रकार नीरा नर्सिंग होम और निरालानगर मोड़ से भी कपूरथला की ओर जाने वाला यातायात क्रमशः वायरलेस चौराहा और आईटी चौराहा होते हुए भेजा जाएगा।निरालानगर चौराहा नंबर-8 से निरालानगर ओवरब्रिज होते हुए अल्कापुरी तिराहा की ओर जाने वाला यातायात भी प्रतिबंधित रहेगा, जिसे कपूरथला चौराहा से डायवर्ट किया जाएगा। वहीं अल्कापुरी तिराहा और वर्मा बिस्कुट तिराहा से भी कपूरथला की ओर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा।यात्रा के दौरान डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से हसनगंज थाना होते हुए डालीगंज इक्का-टांगा तिराहा की ओर जाने वाला यातायात बंद रहेगा और इसे डालीगंज ओवरब्रिज से मदेयगंज की ओर मोड़ा जाएगा। इसी प्रकार डालीगंज इक्का-टांगा तिराहा से रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने वाले वाहनों को आईटी चौराहा की ओर डायवर्ट किया जाएगा।सीडीआरआई तिराहा से शाहमीना की ओर, रूमी गेट से इमामबाड़ा की ओर तथा कोनेश्वर चौराहा से चरक चौराहा की ओर जाने वाले मार्ग भी यात्रा के दौरान प्रतिबंधित रहेंगे। इन मार्गों पर वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से भेजा जाएगा। इसी तरह फूलमंडी से चौक चौराहा, हैदरगंज से नक्कास तिराहा तथा केजीएमयू चौराहा से रकाबगंज की ओर जाने वाले यातायात को भी निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जाएगा।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दुष्कर्म व धोखाधड़ी के आरोपी को आजीवन कारावास

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट द्वारा संचालित 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दुष्कर्म, धोखाधड़ी और अवैध पुनर्विवाह के मामले में आरोपी को कठोर आजीवन कारावास तथा 1 लाख 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित कराया गया है। मजबूत साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के चलते सात वर्ष पुराने मामले में माननीय न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई है।पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के अंतर्गत अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाने के उद्देश्य से लखनऊ पुलिस और अभियोजन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से प्रभावी पैरवी की गई। पुलिस आयुक्त तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त उत्तरी के पर्यवेक्षण और अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी तथा सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज के मार्गदर्शन में थाना अलीगंज पुलिस टीम ने सघन प्रयास किए।

बीबीएयू में गुजरात के श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल के साथ शैक्षणिक सहयोग पर हुई महत्वपूर्ण बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय, गोधरा (गुजरात) के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक की। इस दौरान श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. अनिल सोलंकी, प्रो. जिग्नेश रावल, प्रो. अशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अखिल मित्तल तथा डॉ. हेमेन्द्र सिंह के साथ बीबीएयू के डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. विक्टर बाबू, कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा तथा रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रो. शिशिर कुमार मौजूद रहे।बैठक के दौरान कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रतिनिधिमंडल को समाजोन्मुख अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता संकाय सदस्यों के क्षमता निर्माण पर निर्भर करती है, क्योंकि वही जमीनी स्तर पर योजनाओं को लागू करते हैं। बेहतर शिक्षण-अधिगम के लिए छात्र-केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाने पर भी बल दिया गया। साथ ही अधिक स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों के साथ सहयोग विकसित करने का सुझाव दिया गया।प्रतिनिधिमंडल ने बीबीएयू के नैक निरीक्षण के द्वितीय चक्र प्रत्यायन की सराहना करते हुए बताया कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की श्रेष्ठ प्रथाओं को सीखना और उन्हें अपने संस्थान में लागू करना है। उन्होंने कहा कि बीबीएयू को एनआईआरएफ रैंकिंग और नैक प्रत्यायन में अच्छा स्थान प्राप्त है, जो अन्य संस्थानों के लिए प्रेरणादायक है। इस दौरान वित्त अधिकारी डॉ. ए. के. मोहंती, रजिस्ट्रार डॉ. अश्विनी कुमार सिंह तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. विक्रम सिंह यादव से भी संवाद किया गया।आईक्यूएसी निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा ने वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट प्रस्तुतिकरण, एसएसआर जमा करने की प्रक्रिया, एसएसएस, डीवीवी तथा पीटीवी से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नैक चक्र-1 से नैक चक्र-2 तक विश्वविद्यालय की यात्रा तथा इस दौरान सामने आई चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रो. शिशिर कुमार ने अनुसंधान सुविधाओं, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) तथा इन्क्यूबेशन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था और विभिन्न प्रक्रियाओं का विवरण प्रस्तुत किया, जबकि उप-रजिस्ट्रार (वित्त) डॉ. आशीष रस्तोगी ने वित्तीय प्रक्रियाओं और निधि आवंटन प्रणाली की विस्तृत जानकारी साझा की।

धर्म और जाति को लेकर आए 'सुप्रीम आदेश' के राजनीतिक-सामाजिक मायने

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं।

इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है।

जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलित/ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है।

ललित गर्ग

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया।

टिप्पणी

देश में उलटी बयार

पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में उलटी बयार चल रही है। एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता छोड़ चीनी पूंजी बुलाई जा रही है, तो दूसरी तरफ भारतीय पूंजी 'अमेरिका फर्स्ट' का एजेंडा साधने जा रही है!

भारत ने सामरिक चिंताओं को ताक पर रखते हुए चीनी पूंजी के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। तर्क पहले से दिया जा रहा था कि जब विदेशी निवेशक भारत से मुंह मोड़ रहे हैं, भारत के लिए आ सकने वाली चीनी पूंजी का रास्ता रोके रखना ठीक नहीं है। गौरतलब है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3.7 बिलियन डॉलर का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बाहर गया। इसके अलावा दलील यह भी दी गई कि भारतीय कारखाना क्षेत्र चीनी उपकरणों एवं वस्तुओं पर निर्भर है, इसलिए उनका आयात करने के बजाय सही नीति चीनी कंपनियों के निवेश के जरिए उन्हें लाना होगा। संभवतः इन्हीं तर्कों को मानते हुए केंद्र ने प्रेस नोट-3 को संशोधित किया है, जिसके जरिए अप्रैल 2020 में चीनी पूंजी के निवेश पर रोक लगाई गई थी। ये वो दौर था, जब लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी फौज भारतीय इलाकों में जबरन घुसने में जुटी थी। इसलिए प्रेस नोट-3 को महज आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कदम भी माना गया था।

लेकिन उस पर बिना कोई स्पष्टीकरण दिए उस निर्णय को पलट दिया गया है। बहरहाल, इस निर्णय के साथ ही एक दूसरी खबर आई है, जिससे पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में चल रही उलटी बयार का अहसास होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि रिलायंस ग्रुप अमेरिका के ब्राउन्सविले में एक बड़ी रिफाइनरी लगाएगा, जिसके लिए 300 बिलियन डॉलर का सौदा हुआ है। ट्रंप ने इसे 'अमेरिकी श्रमिकों, ऊर्जा, एवं दक्षिण टेक्सस के लोगों की बड़ी जीत' बताया है; और कहा है कि इससे 'अमेरिकी बाजार में गति आएगी, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा, जिससे अरबों डॉलर का आर्थिक लाभ' अमेरिका को होगा। मतलब यह कि भारत के डेटा और बाजार के बाद अब भारतीय पूंजी 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का हित साधेगी। मुद्दा यह है कि बदले में भारत को क्या मिलेगा? उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिकी मंत्री क्रिस्फोटर लैंडो भारत आकर बता चुके हैं कि भारत के विकास में मददगार बनने का अमेरिका का कोई इरादा नहीं है!

ब्लॉग

हुमायु कबीर-ओवेसी के गठबंधन से क्या टीएमसी कमजोर साबित होगी

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बनने की आहट अक्सर सियासी बहस को तेज कर देती है। हाल के दिनों में हुमायु कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के संभावित गठबंधन की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा रही है। सवाल यह है कि क्या इससे तृणमूल कांग्रेस कमजोर होगी? जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की पकड़ बहुत मजबूत है। गांव-गांव ममता की की छवि प्रभावशील नेता के रूप में विख्यात है। ममता दीदी के नाम से सब जगह उन्हें प्यार दुलार के रूप में देखा जाता है। ममता को कम आंकना बेइमानी होगी। वहीं भाजपा को अन्य राज्यों में हुए चुनाव में समीकरण देखने से पता चता है कि आवेसी की पार्टी ने कुछ हद तक प्रभाव डाला है। अब ऐसे में ममता की तीसरी पारी कैसी होगी यह समय के गर्त में है।

पश्चिम बंगाल का चुनाव ऐसे समय हो रहा है जहां विश्व में कई देश में युद्ध की आग में झुके हुए हैं। जिससे पूरे विश्व में चीजें अवरुद्ध हो रही है। ऐसे ही युद्ध चलता रहा तो निश्चित ही महंगाई भी चरम सीमा पर होगी। अगर देखा जाये तो वोट बैंक की राजनीति और प्रभावित होगी। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो अब तक बड़े पैमाने पर टीएमसी के साथ रहा है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की रणनीति आमतौर पर इसी वोट बैंक में सेंध लगाने की रही है, जैसा कि उसने बिहार और अन्य राज्यों में करने की कोशिश की। यदि हुमायु कबीर जैसे स्थानीय प्रभाव वाले नेता ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ आते हैं, तो कुछ इलाकों में वोटों का बंटवारा संभव है।

हालांकि, यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि इससे टीएमसी को बड़ा नुकसान होगा। इसके पीछे कुछ कारण हैं संगठनात्मक मजबूती ममता बनर्जी के नेतृत्व में जमीनी नेटवर्क काफी मजबूत है। स्थानीय बनाम बाहरी छवि बंगाल की राजनीति में बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा अहम रहता है, और ओवेसी की पार्टी को अक्सर बाहरी पार्टी के रूप में देखा जाता है।

वोट ट्रांसफर की चुनौतीः गठबंधन बनने के बावजूद वोटों का पूरी तरह ट्रांसफर होना आसान नहीं होता। किन क्षेत्रों में असर संभव? सीमावर्ती जिलों और मुस्लिम बहुल सीटों—जैसे मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर—में इसका कुछ असर दिख सकता है। लेकिन यह असर अधिकतर ज्जरूष्ट को हराने की बजाय विपक्षी वोटों के और बिखराव के रूप में सामने आ सकता है। दिलचस्प

बात यह है कि इस तरह के गठबंधन का अप्रत्यक्ष फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिल सकता है। यदि विपक्षी वोट बंटते हैं, तो त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा को बढ़त मिल सकती है।

हुमायु कबीर गठबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर चुनौती जरूर खड़ी कर सकता है, लेकिन इसे टीएमसी की व्यापक कमजोरी के रूप में देखना अभी उचित नहीं होगा। यह ज्यादा संभावना है कि इससे विपक्षी खेमे में वोटों का विभाजन बढ़े, जिसका लाभ किसी तीसरे पक्ष को मिल सकता है। कुल मिलाकर, यह गठबंधन बंगाल की राजनीति में हलचल तो पैदा करेगा, लेकिन टीएमसी की जड़ों को हिलाने के लिए अभी और मजबूत, व्यापक और संगठित चुनौती की जरूरत है।

भारतीय राजनीति में ममता का नाम एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने ज़मीनी संघर्ष से सत्ता के शिखर तक का सफर तय किया। उनका राजनीतिक जीवन केवल पद और सत्ता की कहानी नहीं, बल्कि जिद, जनसंपर्क और निरंतर संघर्ष की दास्तान है। ममता बनर्जी का जन्म 5 जनवरी 1955 को हुआ। साधारण परिवार से आने वाली ममता ने कम उम्र में ही राजनीति में दिलचस्पी दिखानी शुरू कर दी थी। उन्होंने छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति में भाग लिया और जल्द ही इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गईं। 1970-80 के दशक में उन्होंने कांग्रेस के युवा चेहरों में अपनी पहचान बनाई। 1984 में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। तृणमूल कांग्रेस की स्थापना ऐसे समय में हुई जब समय के साथ कांग्रेस में मतभेद बढने लगे। 1998 में ममता बनर्जी ने अलग होकर टीएमसी की स्थापना की। यह कदम उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। टीएमसी ने धीरे-धीरे पश्चिम बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत की और वाम मोर्चे के लंबे शासन को चुनौती दी। 34 वर्षों से सत्ता में रही सरकार को 2011 में ममता बनर्जी ने सत्ता से बेदखल कर दिया। यह पश्चिम बंगाल की राजनीति में ऐतिहासिक परिवर्तन था। ममता बनर्जी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं और उन्होंने खुद को दीदी के रूप में जनता के बीच स्थापित किया। ममता बनर्जी की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सादगी और जनसंवाद है। वे अक्सर सीधे जनता के बीच जाती हैं और खुद को एक आम नागरिक के रूप में प्रस्तुत करती हैं।

उनकी सरकार ने कई सामाजिक योजनाएं शुरू कीं, जैसे— कन्याश्री योजना (महिला सशक्तिकरण), सबुज साथी (छात्रों के लिए साइकिल), स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सुधार, विवाद और चुनौतियां आदि।

हर बड़े नेता की तरह ममता बनर्जी का सफर भी विवादों से अछूता नहीं रहा। विपक्ष अक्सर उन पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाता है। केंद्र और राज्य के बीच टकराव भी उनकी राजनीति का हिस्सा रहा है। चुनावी हिंसा और प्रशासनिक फैसलों पर भी सवाल उठते रहे हैं।

ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन यह साबित करता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसमर्थन से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की राजनीति को नई दिशा दी और खुद को राष्ट्रीय राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया। आज वे केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि विपक्षी राजनीति की एक मजबूत आवाज भी हैं—जो सत्ता के खिलाफ खड़े होने का साहस रखती हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिस तरह का माहौल बन रहा है, उसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी जीत की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता की दहलीज पार कर पाएगी, या फिर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखेगी।

भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता, केंद्रीय नेतृत्व की लगातार रैलियां और हिंदुत्व के मुद्दों को उभारने की रणनीति पार्टी को एक मजबूत चुनौतीकर्ता बना रही है। इसके अलावा, केंद्र की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का प्रयास भी भाजपा के लिए सकारात्मक कारक बन सकता है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता विरोधी लहर, भ्रष्टाचार के आरोप और आंतरिक असंतोष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बड़े नेताओं का पार्टी छोडना भी टीएमसी के लिए चिंता का विषय है। हालांकि, ममता बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता और जमीनी पकड़ अभी भी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है। पश्चिम बंगाल में चुनाव केवल विकास के मुद्दों पर नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर भी लड़े जाते हैं। भाजपा जहां हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की कोशिश में है, वहीं टीएमसी अल्पसंख्यक और ग्रामीण वोटरों पर अपनी पकड़ बनाए रखने में जुटी है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि भाजपा स्पष्ट रूप से जीत की ओर बढ़ रही है, लेकिन इतना जरूर है कि मुकाबला अब पहले से कहीं अधिक कांटे का हो गया है। भाजपा ने अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है, परंतु टीएमसी को पूरी तरह कमजोर मान लेना राजनीतिक भूल होगी।

पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाला होगा। भाजपा के लिए यह अवसर है कि वह अपनी बढ़त को जीत में बदले, जबकि टीएमसी के लिए यह अपनी साख और वर्चस्व बनाए रखने की परीक्षा है। अंतिम निर्णय जनता के हाथ में है, और वही तय करेगी कि राज्य की बागडोर किसे सौंपी जाए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

नेपाल, दुबई और अमेरिका से नेटवर्क का संचालन, पहचान छिपाने को हिंदू नाम इस्तेमाल, तीन किस्तों में मिले रुपए

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। गाजियाबाद पुलिस द्वारा जासूसी के आरोप में पकड़े गए बुटराड़ा गांव निवासी समीर और अन्य से पूछताछ में आईएसआई के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। जांच एजेंसियों को मिले इनपुट के अनुसार, यह नेटवर्क नेपाल, दुबई, अमेरिका और बांग्लादेश जैसे देशों से संचालित हो रहा था, जहां बैठे एजेंट भारत के युवाओं को अपने जाल में फंसा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, समीर को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और आईएसआई हैंडलर सरफराज, सरदार के नाम से बनाए गए व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुपों में जोड़ा गया था। इन ग्रुपों के जरिए देश-विदेश में रह रहे युवाओं को जोड़कर उन्हें अलग-अलग काम दिए जाते थे।

दुबई में बैठे एजेंटों को शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, दिल्ली, सहारनपुर, बिजनौर, हरियाणा और बिहार के अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

जांच एजेंसियों के अनुसार, ग्रुपों में तबलीगी जमात और अन्य धार्मिक गतिविधियों से संबंधित वीडियो शेयर की जाती थीं ताकि युवाओं को प्रभावित कर उनका ब्रेनवाश किया जा सके। जांच में यह भी सामने आया है कि इन ग्रुपों को गैंगस्टरों के नाम पर इसलिए बनाया गया ताकि पुलिस को इन पर शक न हो और गतिविधियां आसानी से संचालित होती रहें। ग्रुप में जुड़े युवाओं को धार्मिक स्थलों और सेना से जुड़े स्थानों की फोटो और वीडियो जुटाने के निर्देश दिए जाते थे।

इसके बाद हर तीसरे दिन जूम मीटिंग के जरिए इनकी समीक्षा की जाती थी, जिसमें विदेशों में बैठे सरगना शामिल होते थे। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इन ग्रुपों से जुड़े 250 से लोग पुलिस के रडार पर हैं। मामले की जांच गाजियाबाद पुलिस के साथ मिलकर आगे बढ़ाई जा रही है।

तीन किस्तों में मिले रुपये

एसपी के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया है कि समीर को गिरोह की ओर से तीन बार में कुल पांच हजार रुपये दिए गए थे। पहली और दूसरी बार 1500-1500 रुपये, जबकि तीसरी बार 2000 रुपये दिए गए। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह रकम कहां से भेजी गई। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार मीरा ने भी समीर को रकम दी है।

नाम बदलकर बचने की कोशिश

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आईएसआई हैंडलर अब अपनी पहचान छिपाने के लिए हिंदू नामों का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक व्हाट्सएप ग्रुप 'सरदार' नाम से भी संचालित किया जा रहा था। बताया गया कि सरफराज ने खुद का नाम बदलकर 'सरदार' रख लिया था और कुछ सदस्य ऑनलाइन मीटिंग के दौरान माथे पर टीका लगाकर भी लोगों को भ्रमित करने का प्रयास करते थे।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने रामलला के दर्शन-पूजन किया, बोले- रामनवमी पर अयोध्या आना मेरा सौभाग्य

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। वरिष्ठ कांग्रेस नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह रामनवमी के अवसर पर रामनगरी अयोध्या पहुंचे। यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने राम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन-पूजन किया। साथ ही हनुमानगढ़ी में भी माथा टेका। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि रामनवमी पर अयोध्या आना उनका सौभाग्य है। हमने देशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। राम मंदिर विरोध के आरोपों को खारिज किया।

उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण में 1,11,000 रुपये का सहयोग दिया। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों (अमेरिका-ईरान तनाव, पेट्रोल-डीजल) पर टिप्पणी से इनकार किया। कहा कि धार्मिक यात्रा पर हूं। आज राजनीति की कोई बात नहीं।

दो ट्रकों में जोरदार भिड़ंत के बाद लगी आग, तीन की जिंदा जलकर मौत, एक घायल अस्पताल में भर्ती

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। महोबा-बांदा नेशनल हाईवे पर दो ट्रकों की आमने-सामने की भिड़ंत में तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कस्बा थाना से करीब तीन किलोमीटर दूर मुंडेरी मोड़ के पास हुई। हादसा बृहस्पतिवार की सुबह का है।

कबरई से बांदा जा रहे गिट्टी भरे ट्रक के चालक सुरेश पांडे (55) और बांदा से महोबा जा रहे खाली ट्रक के चालक सूरज नाथ उर्फ साधु तथा क्लीनर सनी की इस हादसे में मौत हो गई। गिट्टी भरे ट्रक का क्लीनर सुलतानपुर निवासी अभिषेक यादव (23) घायल हो गया।

दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने काबू पाया

उसे 108 एंबुलेंस ने जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना ओवरटेक करने के प्रयास में हुई। भिड़ंत के बाद ट्रकों में आग लग गई, जिस पर दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने काबू पाया, लेकिन तब तक तीनों लोग पूरी तरह जल चुके थे। वहीं मृतक कहां के निवासी थे, अभी तक इसका पता नहीं चल सका है।

मुठभेड़ में दो अभियुक्त घायल और गिरफ्तार

जौनपुर। पुलिस की संयुक्त टीम और हत्या के आरोपियों के बीच गुरुवार को मुठभेड़ हुई। इस दौरान दो अभियुक्तों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से दो तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखे, एक मोटरसाइकिल और हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया है।यह मुठभेड़ बुधवार को जलालपुर क्षेत्र के सिरकोनी गांव में हुई एक हत्या के मामले से जुड़ी है। आशीष उर्फ चिघडू चैहान नामक व्यक्ति की एक दर्जन से अधिक लोगों ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद शव को घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बन्दीपुर गांव में फेंक दिया गया था।मृतक आशीष उर्फ चिघडू चैहान, जो जलालपुर के संघईपुर गांव का निवासी था, बुधवार को बन्दीपुर स्थित शराब ठेके के पास मौजूद था। तभी करीब एक दर्जन युवक वहां पहुंचे और उसे दौड़ाना शुरू कर दिया। आशीष अपनी जान बचाने के लिए सिरकोनी गांव में घुस गया और कई घरों में छिपने की कोशिश की।

पथराव-गाड़ियों में तोड़फोड़... आगरा में 7 साल की बच्ची की हत्या पर बवाल, किराएदार के कमरे में ड्रम से मिला शव

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में 7 साल की मासूम प्रज्ञा के अपहरण के बाद उसकी हत्या ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। घर के बाहर से लापता हुई बच्ची का शव करीब 24 घंटे बाद बरामद हुआ, जिसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने आगरा के फतेहाबाद रोड पर जमकर हंगामा और उपद्रव किया।

ताजगंज क्षेत्र के गोबर चौकी निवासी दिनेश कुमार की 7 वर्षीय बेटी प्रज्ञा 24 मार्च की शाम लगभग 4 बजे घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। इसी दौरान वह संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और बच्ची की तलाश शुरू की, लेकिन आरोप है कि शुरुआती स्तर पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

आटे के ड्रम में मिला बच्ची का शव

अगले दिन बुधवार को जब बच्ची की तलाश जारी थी, तब उसी मकान की पहली मंजिल पर रहने वाले एक किरायेदार के कमरे से बच्ची का शव मिला। शव को एक बोरे में डाल कर आटे के ड्रम के छिपाया गया था। यह दृश्य देखकर परिजन और स्थानीय लोग सन्न रह गए। घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल बन गया।

मासूम की मौत की खबर मिलते ही सैकड़ों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। गुस्साए लोगों ने आगरा के फतेहाबाद रोड पर जाम लगा दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। भीड़ ने पथराव किया और कई वाहनों में तोड़फोड़ की। हालात बिगड़ते देख पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स और वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए गए हैं, ताकि स्थिति पर काबू पाया जा सके। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि पुलिस ने समय रहते सक्रियता दिखाई होती और इलाके की घेराबंदी की होती, तो शायद बच्ची की जान बचाई जा सकती थी। लोगों का कहना है कि अपहरण जैसी संवेदनशील सूचना के बावजूद पुलिस की लापरवाही इस दुखद घटना की एक बड़ी वजह बन गई।

क्या बोले अधिकारी?

वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास के मुताबिक, जांच के दायरे में एक पड़ोसी युवक भी है, जिससे पूछताछ की जा सकती है। पुलिस अपहरण, आपसी रंजिश और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ा रही है। फिलहाल, पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

'बहन को बहुत समझाया, नहीं मानी तो गुस्से में मारी गोली' ; 'कातिल' भाई का कबूलनामा, बताया किस बात से था खफा ?

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर के छुटमलपुर में फतेहपुर सीएचसी पर पुलिस कस्टडी में बहन राखी को गोली मारने वाले आरोपी मोंटी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हालांकि दूसरा आरोपी रवि अभी फरार चल रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी मोंटी ने स्वीकार किया कि बहन को काफी समझाया गया, लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी। इसलिए गुस्से में आकर उसे गोली मार दी थी। उधर, ऋषिकेश एम्स से पोस्टमार्टम के बाद मिले राखी के शव को परिजन गांव नहीं लाए। बुधवार देर शाम हरिद्वार के खड़खड़ी स्थित श्मशान घाट पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

बता दें, कि गांव रामखेड़ी निवासी राखी दूसरी बिरादरी के युवक के साथ चली गई थी। परिजनों ने थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। 23 मार्च को राखी अकेले थाने पहुंची थी। वहां परिजनों के समझाने पर भी वह नहीं मानी थी और प्रेमी संग ही जाने की जिद पर अड़ी थी।

पुलिस उसका मेडिकल कराने सीएचसी फतेहपुर ले गई थी। वहां उस पर मोंटी ने पिस्टल से गोलियां बरसा कर लहूलुहान कर दिया था। तीस घंटे तक एम्स में जिंदगी मौत के बीच जूझने के बाद आखिर उसने दम तोड़ दिया था। इसी मोंटी ने वीडियो जारी कर बहन को गोली मारने की जिम्मेदारी अकेले लेते हुए सरेंडर करने की बात कही थी।

इसके बाद मंगलवार देर रात पुलिस ने मोंटी को गिरफ्तार करने का दावा करते हुए हत्या में प्रयुक्त पिस्टल बरामद कर लिया। पूछताछ में मोंटी ने बताया कि पिस्टल उसके पास दो साल से था और यह अवैध है। उसने इसे एक युवक से खरीदा था। पुलिस ने आरोपी मोंटी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सहारनपुर के एसपी देहात सागर जैन ने कहा कि हत्याकांड में कौन-कौन लोग शामिल हैं। इसकी जांच की जा रही है। मोंटी ने जिस युवक से पिस्टल लिया था पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फरार चल रहे आरोपी रवि को भी जल्दी पकड़ लिया जाएगा।

अंतिम संस्कार में पिता सहित 15 लोग हुए शामिल, पुलिस भी रही मौजूद

राखी के अंतिम संस्कार में परिवार से पिता के अलावा ग्राम प्रधान सहित करीब 15 लोग शामिल हुए। थाने के एसआई मशकूर त्यागी, महिला दरोगा मिथलेश राठौर और पुलिसकर्मी एम्स से लेकर हरिद्वार तक राखी के शव के साथ रहे। पुलिस टीम अंतिम संस्कार के बाद ही लौटी। राखी की मौत के बाद भी उसके घर और मुहल्ले में सन्नाटा पसरा है।

उसके परिवार वाले भी किसी से नहीं मिल रहे हैं और ना ही उनके यहां कोई आ जा रहा है। राखी के प्रेमी युवक लवकुश और उसके चचेरे भाई अभी भी गायब चल रहे हैं। पुलिस भी गांव में लगातार गश्त कर रही है। चर्चा है कि राखी ने लवकुश से शादी कर ली थी। हालांकि पुलिस ऐसे किसी जानकारी से इन्कार कर रही है।

बिप्र धेनु सुर संत हित, लीन्ह मनुज अवतार

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। राम नवमी की तैयारियां जोरो पर चल रही है। ऐसे में गोस्वामी तुलसीदास जी की श्रीरामचरितमानस से यह दोहा बिप्र धेनु सुर संत हित, लीन्ह मनुज अवतार । प्रांसगिक है। इस दोहे में भगवान श्रीराम के अवतरण का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट रूप से बताया गया है। इस दोहे में भगवान राम के अवतार की गूढ़ता, उनकी करुणा और धर्म की स्थापना का भाव समाहित है। बिप्र (ब्राह्मण), धेनु (गाय), सुर (देवता), और संत (संतजन) इन सभी की रक्षा हेतु भगवान ने मनुष्य रूप में अवतार लिया। यह अवतार उनकी निज इच्छा से हुआ, जिसमें उन्होंने माया को पार कर गुणातीत शरीर धारण किया। रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक चेतना का जागरण है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान स्वयं अवतरित होकर धर्म की पुनः स्थापना करते हैं।भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, सेवा, और सत्य का प्रतीक है। उन्होंने अपने जीवन में हर भूमिका को पूर्णता से निभाया कृ पुत्र, भाई, पति, राजा, और साधक। उनका चरित्र हमें यह सिखाता है कि जीवन में कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।ब्राह्मणों की रक्षा कृ भगवान राम ने ऋषियों की रक्षा की, उनके यज्ञों को राक्षसों से बचाया। यह धर्म की रक्षा का प्रतीक है। गौ माता भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। रामराज्य में गौ-पालन और संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया। रावण जैसे अधर्मी राजा के आतंक से देवता भी भयभीत थे। भगवान राम ने राक्षसी शक्तियों का अंत कर देवताओं को पुनः स्थिरता दी। संत समाज सत्य और भक्ति का प्रचार करता है। भगवान राम ने संतों को सम्मान दिया, उनके मार्गदर्शन को स्वीकार किया। राम का अवतार केवल राक्षसों के संहार के लिए नहीं था, बल्कि मानवता को एक आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देने के लिए था। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी अहंकार नहीं किया, बल्कि हर कार्य को धर्म के अनुसार किया।रामनवमी पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में राम के आदर्शों को अपनाएँ कृ सत्य बोलें, सेवा करें, और धर्म का पालन करें। आज जब समाज में असत्य, अन्याय और अधर्म की प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं, तब रामनवमी हमें पुनः धर्म की ओर लौटने का आह्वान करती है। यह पर्व हमें आत्मनिरीक्षण करने का अवसर देता है कि क्या हम राम के मार्ग पर चल रहे हैं? रामनवमी का पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है।

शहर में पेट्रोल-डीजल खत्म होने का हल्ला, पंप पर लगी लंबी लाइन, कई पेट्रोल पंप बंद

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। शहर में बुधवार को पेट्रोल-डीजल खत्म होने का हल्ला मचा और पेट्रोल पंप पर देर शाम अचानक लंबी लाइन लग गई। इस बीच कुछ पेट्रोल पंप बंद भी हो गए। लोगों को लगा कि यह ईरान-इस्राइल युद्ध कर असर है और हालात ज्यादा बिगड़ सकते हैं। देर रात तक लोग पेट्रोल-डीजल के लिए पंप के बाहर कतार में लगे रहे। सिविल लाइंस सुभाष चौराहे पर स्थित पंप में पेट्रोल भराने पहुंचे शान मालवीय ने बताया कि वह बैरहना, रामबाग, अटाला, बलुआघाट होते हुए यहां पहुंचे हैं। हर जगह पेट्रोल पंप बंद मिले या वहां काफी लंबी लाइन लगी हुई थी। सुभाष चौराहे पर भी यही हाल है, लेकिन इस बार वह लाइन में लग गए हैं। बताया कि बाइक में पेट्रोल भराने के लिए एक घंटे से खड़े हैं।

हाईकोर्ट के सामने पेट्रोल पंप पर पहुंचे रवि कुमार ने बताया कि हर जगह पेट्रोल के लिए लंबी लाइन लगी है। ऑटो सेल्स के पास वाला पेट्रोल पंप बंद हो गया है, जबकि प्रयागराज-कानपुर मुख्य मार्ग पर होने के कारण वह 24 घंटे खुला रहता था। वहां तैनात कर्मचारी अनुराग सिंह ने बताया कि शाम को पेट्रोल खत्म हो जाने के का कारण पंप बंद हो गया। देर रात टैंकर आ जाएगा और सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

सिविल लाइंस के साथ खुल्दाबाद, तेलियरगंज, सोहबतियाबाग, अटाला, बाई का बाग, कल्याणी देवी, लाउदर रोड, नैनी, झूंसी, फाफामऊ समेत कई इलाकों में पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन लगी रही। रात 11 बजे जब शहर के पेट्रोल पंप बंद करने का समय आया, तब भीड़ हटी। इस बीच पंप संचालकों की ओर से उपभोक्ताओं को लगातार यह जानकारी दी जाती रही कि शहर में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। परेशान होने की जरूरत नहीं है। पूरी रात लोग पंपों पर डटे रहे। बृहस्पतिवार को भोर में साढ़े चार बजे से फिर पंपों पर भीड़ बढ़ने लगी। दोपहर बात तक मारामारी मची रही। पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल डीजल दिया जा रहा है।

सुलेमसराय में लंबी लाइन से लगा जाम

रात 9:30 बजे के आसपास सुलेमसराय पेट्रोल पंप पर लोगों की लंबी लाइन लग गई। सिविल लाइंस, कटरा, जॉर्जटाउन में रहने वाले लोग अपने वाहनों में पेट्रोल भरवाने के लिए सुलेमसराय तक पहुंच गए। पंप के बाहर लगी लंबी लाइन सड़क तक पहुंच गई और वहां जाम लग गया। वहीं, रात 10:15 बजे के आसपास चौफटका व मुंडेरा चुंगी का पट्रोल पंप भी समय से पहले बंद हो गया।

अफवाहों से रहें दूर, पंप में ही 57 लाख लीटर पेट्रोल-डीजल

आपूर्ति विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह से दूर रहें। पेट्रोल पंप में ही आठ से 10 दिन का स्टॉक है। इसके अलावा टैंकरों में भी पांच से छह दिन और प्लांट में दो माह का स्टॉक है। पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है, इसलिए हड़बड़ाने की जरूरत नहीं है। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि प्रयागराज के पेट्रोल पंप में 57 लाख लीटर पेट्रोल व डीजल का स्टॉक है, जबकि पेट्रोल व डीजल की रोज की खपत तकरीबन आठ लाख लीटर है। ऐसे में कमी होने का सवाल ही नहीं उठता है। बुधवार को आईओसीएल के 148 पेट्रोल पंप में 10 लाख लीटर पेट्रोल व 14 लाख लीटर डीजल उपलब्ध था। वहीं, एचपीसीएल के 114 पंप में नौ लाख लीटर पेट्रोल व 10 लाख लीटर डीजल और बीपीसीएल के 106 पंप में सात लाख लीटर पेट्रोल व सात लाख लीटर डीजल की उपलब्धता थी। केवल पेट्रोल पंप में ही आठ से 10 दिन का स्टॉक है। इसके अलावा प्लांट से तेल लेकर निकल चुके टैंकरों में भी पांच से छह दिन का स्टॉक है और प्लांट में दो माह का स्टॉक है। सभी पेट्रोलियम कर्पनियों के सेल्स अधिकारियों से बात की गई है और उन्होंने पर्याप्त स्टॉक होने की बात कही है। चार-पांच पेट्रोल पंप इसलिए बंद हो गए, क्योंकि वे समय से औपचारिकताएं पूरी नहीं कर सके। औपचारिकताएं पूरी होते ही उन्हें पेट्रोल व डीजल उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालात पूरी तरह से सामान्य हैं और लोगों को हड़बड़ाने की जरूरत नहीं है। लोगों से अपील है कि अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें। जिले में पेट्रोल व डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। कहीं भी किसी तरह की कोई कमी नहीं है। - मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

पेट्रोल पंप पर व्यवस्था संभालती दिखी पुलिस

शहर के विभिन्न पेट्रोल पंप पर बढ़ती भीड़ और लंबी कतारों के बीच बुधवार को पुलिस ने मोर्चा संभाला। कई स्थानों पर हालात ऐसे बन गए कि लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। स्थिति बिगड़ती देख स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लाइन व्यवस्था को सुचारु किया। बुधवार शाम से ही सिविल लाइंस, पत्रिका चौराहा, हाईकोर्ट, सुलेमसराय, धूमनगंज, धोबीघाट समेत अन्य जगहों पर पेट्रोल के लिए वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालात बिगड़ते देख स्थानीय थानों के पुलिसकर्मियों ने पंप पर पहुंचकर वाहनों की कतारों को व्यवस्थित ढंग से लगवाया। कई जगहों पर बैरिकेडिंग कर एक-एक कर वाहनों को आगे बढ़ाया गया। डीसीपी मनीष शांडिल्य ने बताया कि कई जगहों पर अव्यवस्था होने पर थाना पुलिस को लगाया गया था, ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो। ईंधन का स्टाक खत्म होने के बाद सिविल लाइंस, मुंडेरा, झूंसी और नैनी में कई पेट्रोल पंप को बंद कर दिया गया। एकाएक पेट्रोल-डीजल की बिक्री से पूरा टैंक खाली हो गया। लोगों की बढ़ती भीड़ और विवाद की स्थिति उत्पन्न होने के कारण संचालक पंप बंद करके चले गए हैं।

दोपहर में झपकी लेने से आप दिन भर रहेंगे ऊर्जावान

दोपहर की झपकी हर किसी के लिए जरूरी है, जिससे आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। दोपहर की नींद न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि इसके जरिए काम करने की क्षमता को भी बढ़ाया जा सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी दोपहर की झपकी को अधिकतम लाभकारी बना सकते हैं और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

सही समय चुनें

दोपहर की झपकी लेने के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। आमतौर पर दोपहर एक से 3 बजे के बीच में झपकी लेना सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय शरीर की ऊर्जा का स्तर थोड़ा कम होता है और आप आसानी से सो सकते हैं। इससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस होती है। सही समय पर झपकी लेने से काम करने की क्षमता भी बढ़ती है और आप पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं।

आरामदायक स्थान बनाएं

झपकी लेने के लिए एक आरामदायक स्थान चुनें, जहां शांति हो और रोशनी कम हो। अगर आप ऑफिस में हैं तो किसी खाली कमरे का उपयोग कर सकते हैं या डेस्क पर सिर झुकाकर आराम कर सकते हैं। घर पर बिस्तर या सोफे का उपयोग करें, जहां आपको पूरी तरह से आराम मिले। इसके अलावा, अगर संभव हो तो आंखों पर पट्टी बांधें, ताकि रोशनी न आए और आप बिना किसी बाधा के सो सकें।

समय का ध्यान रखें

झपकी लेते वक्त समय का ध्यान रखना न भूलें, ताकि आप समय पर उठ सकें। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर आप ज्यादा देर तक सो जाएंगे तो आपकी रात की नींद प्रभावित हो सकती है और आप अगले दिन थका हुआ महसूस करेंगे। समय का ध्यान रखने से आपको यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि आपकी झपकी 20-30 मिनट से ज्यादा न हो, जिससे आपकी ऊर्जा बढ़ेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

गहरी सांस लें

झपकी लेते समय गहरी सांस लेना बहुत फायदेमंद होता है। इससे मन शांत होता है और नींद जल्दी आती है। गहरी सांस लेने से शरीर में ताजी हवा का स्तर बढ़ता है, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस करते हैं। गहरी सांस लेने से मानसिक तनाव भी कम होता है और आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

नियमितता बनाए रखें

झपकी लेने की आदत को नियमित बनाए रखना जरूरी है। हर दिन एक ही समय पर झपकी लेने से आपका शरीर उसे पहचानने लगता है और आसानी से सो जाता है। नियमितता से आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती जाती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इस प्रकार, दोपहर की झपकी आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।

बालों को कितनी बार धोना होता है सही? जानिए इससे जुड़े मिथकों की सच्चाई

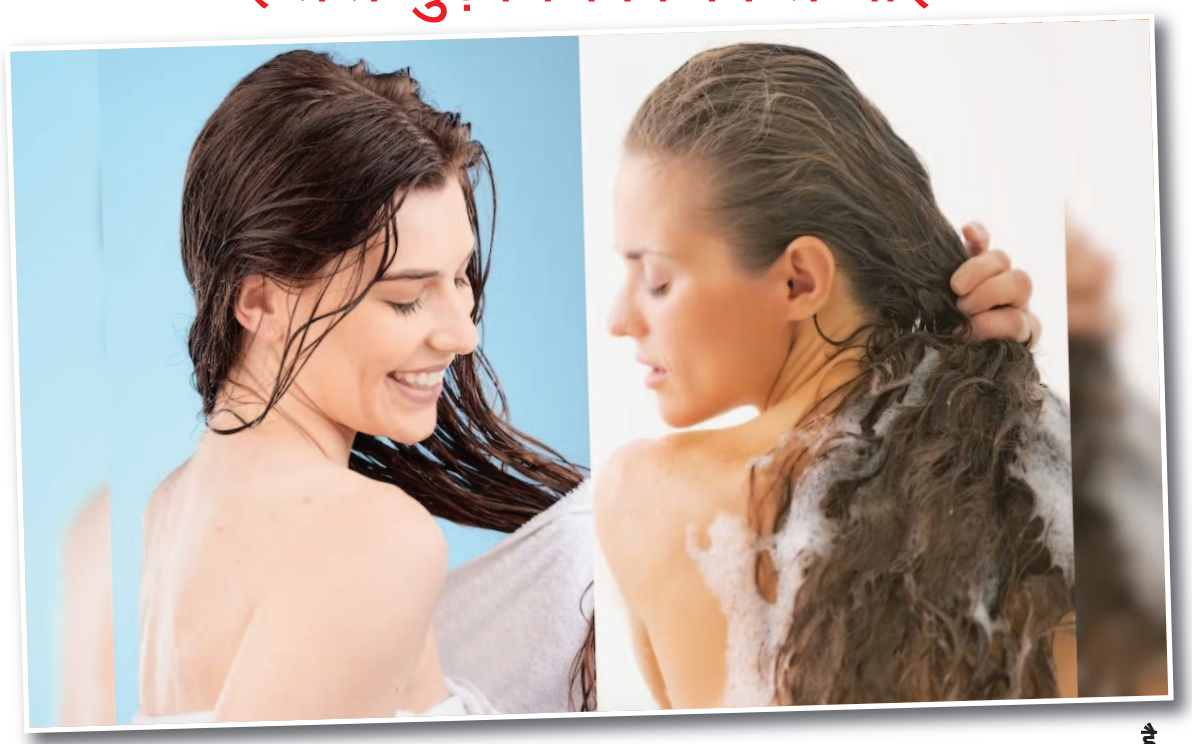

बालों को धोने की सही संख्या पर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचलित हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी है, जबकि कुछ लोग इसे नुकसानदायक मानते हैं। इस लेख में हम इन भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि वास्तव में कितनी बार बाल धोने चाहिए, ताकि वे स्वस्थ और सुंदर बने रहें। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और चमकदार बना सकते हैं।

भ्रम: रोजाना बाल धोना है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी होता है, ताकि वे साफ-सुथरे रहें और उनमें गंदगी न लगे। हालांकि, यह पूरी तरह सही नहीं है। रोजाना बाल धोने से सिर का प्राकृतिक तेल उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जिससे बाल सूखे और कमजोर हो सकते हैं। हफ्ते में 2 बार बाल धोना ही पर्याप्त होता है, ताकि वे स्वस्थ रहें और उनकी चमक बनी रहे। ज्यादा धोने से बाल झड़ने की समस्या भी खड़ी हो जाती है।

भ्रम: बाल धोने के बाद नहीं करना चाहिए कंडीशनर का उपयोग

कुछ लोगों का मानना है कि बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे बाल चिकने हो जाएंगे और गंदगी जल्दी चिपकेगी। सच यह है कि सही प्रकार का कंडीशनर बालों को पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। इसे सही तरीके से इस्तेमाल करने पर बाल चिकने नहीं होते, बल्कि स्वस्थ और चमकदार दिखते हैं। इसलिए बाल धोने के बाद कंडीशनर का उपयोग करना फायदेमंद होता है।

भ्रम: बालों की लंबाई के अनुसार उन्हें धोने चाहिए

एक आम भ्रम यह है कि बालों की लंबाई पर निर्भर करता है कि कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। लंबे बालों वाले लोग अक्सर डरते हैं कि अगर वे ज्यादा धोएंगे तो बाल ज्यादा टूटेंगे। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। सही शैंपू और तरीके का उपयोग करने पर लंबे बाल भी धोएं तो वे स्वस्थ रहते हैं। छोटे बालों वाले लोगों को भी अपनी जरूरत के अनुसार ही बाल धोने चाहिए, ताकि वे साफ-सुथरे रहें।

भ्रम: बालों की प्रकार पर निर्भर करता है उन्हें कितनी बार धोना चाहिए

कुछ लोग मानते हैं कि बालों की प्रकार पर निर्भर करता है कितनी बार उन्हें धोना चाहिए। अगर आपके बाल तैलीय प्रकार के हैं तो आपको रोजाना उन्हें धोना पड़ सकता है, ताकि अतिरिक्त तेल हट सके। वहीं अगर आपके बाल सूखे या बेजान हैं तो हफ्ते में एक या 2 बार ही धोना बेहतर होता है, ताकि उनकी प्राकृतिक नमी बनी रहे। हालांकि, रोजाना बाल धोने से वे बहुत कमजोर हो जाते हैं।

भ्रम: बाल धोने से पहले तेल लगाना होता है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि बाल धोने से पहले तेल लगाना जरूरी होता है, ताकि वे मजबूत बने रहें और टूटें नहीं। हालांकि, अगर आप नियमित रूप से बाल धोते हैं तो ऐसा करना जरूरी नहीं होता। हफ्ते में एक बार ही तेल लगाना काफी होता है, ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें और उनमें चमक बनी रहे। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और सुंदर बना सकते हैं।

कन्या पूजन में देने के लिए बेस्ट बजट-फ्रेंडली गिफ्ट्स, बच्चियों के चेहरे पर आ जाएगी मुस्कान

नवरात्रि के आखिर दिन यानी नवमी पर कन्या पूजन किया जाता है। इस दिन छोटी बच्चियों को बुलाकर उनका आदत–सत्कार किया जाता है। साथ ही भोजन कराकर उपहार बांटे जाते हैं। इस कन्या पूजन पर आप भी कन्याओं को कुछ बेस्ट गिफ्ट दे सकते हैं। यहां हम कुछ बेहतरीन ऑप्शन बता रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि 2026 का पावन पर्व आस्था, भक्ति और उत्साह से भरा होता है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा के साथ-साथ कन्या पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। चैत्र नवरात्रि के 8वें और 9वें दिन कन्या पूजन किया जाता है, जिसमें छोटी-छोटी बच्चियों को देवी का रूप मानकर उनका आदर-सत्कार किया जाता है और उन्हें भोजन के साथ-साथ उपहार भी दिए जाते हैं। ऐसे में हर कोई चाहता है कि उसका दिया हुआ तोहफा बच्चियों को पसंद आए और उनके चेहरे पर खुशी लाए। हालांकि कई बार लोग यह सोचकर उलझन में पड़ जाते हैं कि कम बजट में अच्छा और उपयोगी गिफ्ट कैसे चुना जाए।

लेकिन सच तो यह है कि उपहार की कीमत नहीं, बल्कि उसमें छिपी भावना और प्यार मायने रखता है। थोड़ी समझदारी से चुने गए बजट-फ्रेंडली गिफ्ट्स भी बच्चियों के लिए बेहद खास बन सकते हैं। अगर आप भी इस चैत्र नवरात्रि पर कन्या पूजन के लिए कुछ ऐसा देना चाहते हैं जो किफायती होने के साथ-साथ प्यारा और यादगार हो, तो ये आर्टिकल आपके लिए है। चलिए आपको बताते हैं कन्याओं को देने के लिए गिफ्ट के कुछ ऑप्शन है।

स्टेशनरी गिफ्ट सेट (पेंसिल, रबर, कॉपी)

कन्या पूजन में देने के लिए स्टेशनरी गिफ्ट सेट एक अच्छा ऑप्शन है। ये बच्चियों के लिए काफी उपयोगी भी होता है और कम बजट में भी आ जाता है। इसमें आप पेंसिल बॉक्स, रबर बॉक्स और कॉपी का सेट दे सकते हैं।

छोटे खिलौने

छोटे-छोटे खिलौने जैसे वॉटर गेम, स्पिनिंग टॉय या स्लिंकी बच्चों को तुरंत खुश कर देते हैं। कन्या पूजन में देने के लिए ये भी बेहतरीन ऑप्शन है। बजट की बात करें तो अगर आप पूरा सेट लेते हैं तो काफी कम दाम में मिल जाएगा। छोटे-छोटे खिलौने देखते ही बच्चियों के चेहरे खिल जाएंगे।

पाउच या छोटा बैग

पाउच या छोटा बैग भी बच्चियों को कन्या पूजन में देने के लिए काफी बढ़िया ऑप्शन है। ये उनके स्कूल और घर में काफी काम आएगा। ये दिखने में स्टाइलिश लगते हैं और कुछ भी समान रखने के लिए भी अच्छे होते हैं।

आर्ट & क्राफ्ट किट

क्रिएटिव बच्चों के लिए ये एक बेहतरीन गिफ्ट है, जिससे वे ड्राइंग और पेंटिंग सीख सकते हैं। इसका इस्तेमाल बच्चियां स्कूल और घर पर अपनी क्रिएटिविटी बढ़ाने के लिए कर सकती हैं। यानी ये गिफ्ट काफी काम आएगा।

ज्वेलरी या चूड़ी सेट

लड़कियां बड़ी हो या छोटी ज्वेलरी पसंद ही होती है। ऐसे में आप छोटी बच्चियों को रंग-बिरंगी चूड़ियां, पेंडेन सेट, क्लिप या फिर हैडबेंड गिफ्ट कर सकते हैं। ये उन्हें सबसे ज्यादा पसंद आएगा। साथ ही कम बजट में आपको पूरा सेट मिल भी जाएगा।

रेडीमेड कॉम्बो गिफ्ट

अगर आप एक ही पैक में कई चीजें देना चाहते हैं तो रेडीमेड कॉम्बो गिफ्ट सबसे आसान और अच्छा ऑप्शन है। इसमें आप एक माता की चुनरी, चूड़िया, पेंसिल बॉक्स जैसी चीजें रख सकते हैं। ये रेडीमेड कॉम्बो गिफ्ट बच्चियों को काफी पसंद आएगा।

अचानक ज्यादा आने लगा है बिजली का बिल? परेशान होने की जगह तुरंत ऐसे करें शिकायत

हमारे जीवन में हमारे आसपास कई ऐसी चीजें हैं जो अगर न हो, तो जीवन अधूरा लग सकता है? इसमें से एक है बिजली। दरअसल, अगर ये कहा जाए कि बिजली के बिना हमारा जीवन अधूरा है तो शायद इसमें दो राय न हो?

बिजली से ही हमारे कई काम हो पाते हैं। आप जितनी भी बिजली हर महीने इस्तेमाल करते हैं उसका बिल आता है। इसके लिए घरों, दुकानों, दफ्तरों आदि जगहों पर बिजली के मीटर लगे होते हैं जिनसे रीडिंग लेकर हर महीने बिल दिया जाता है। लेकिन कई बार लोगों के बिल अधिक आने लगते हैं जिनसे उन्हें दिक्कत होती है। चलिए जानते हैं ऐसे में आप कहां शिकायत कर सकते हैं।

क्यों बिजली का बिल आने लगता है गलत?

जब बिल निकालने वाला व्यक्ति मीटर रीडिंग गलत नोट कर ले

बिल अगर रीडिंग नोट करके नहीं बल्कि, अनुमानित तौर पर भेजा जाए

मीटर खराब होने पर भी बिजली का बिल गलत आ सकता है

कई बार पुराना बिल बकाया होने से भी बिल अधिक आ सकता है

टेक्निकल दिक्कतों की वजह से भी बिल गलत आ सकता है आदि

बिल अधिक आने पर कहां करें शिकायत?

बिजली का बिल अधिक आने लगा है या आपको लगता है कि आपने इतना लाइट का इस्तेमाल नहीं किया है जितना बिल आ रहा है, तो फिर आप ऑनलाइन शिकायत कर सकते हैं

आप कंपनी की एप या वेबसाइट पर जाकर अपनी शिकायत यहां दर्ज करवा सकते हैं

आप अपने बिजली विभाग के कस्टमर केयर से भी संपर्क कर सकते हैं

यहां पर आपको अपना नाम, कनेक्शन नंबर जैसी जानकारी देनी होती है

इसके बाद आपका शिकायत यहां दर्ज करके उस पर काम किया जाता है

आप चाहें तो अपने बिजली विभा के नजदीकी कार्यालय में जाकर अपनी शिकायत दे सकते हैं

यहां पर आप लिखित तौर पर अपनी शिकायत दे सकते हैं

इसके बाद आपके मीटर और रीडिंग को चेक करवाकर आपकी समस्या का समाधान किया जा सकता है

सिगरेट की हर कश में जल रही आपकी गाढ़ी कमाई, आज ही छोड़ें तो इतने सालों में बन जाएंगे लखपति

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में खर्चों की कई ऐसी छोटी-छोटी आदतें होती हैं, जिन पर अक्सर हमारा ध्यान नहीं जाता। इनमें सबसे बड़ा और खतरनाक नाम है सिगरेट। यह जानलेवा लत सिर्फ आपके स्वास्थ्य को ही अंदर से खोखला नहीं कर रही है, बल्कि आपकी जीवनभर की वित्तीय स्थिति को भी दीमक की तरह चाट रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सिगरेट के धुएं में उड़ने वाली इस भारी-भरकम रकम को तुरंत रोककर सही जगह निवेश कर दिया जाए, तो भविष्य के लिए एक बेहद मजबूत आर्थिक दीवार तैयार की जा सकती है।

दो दशकों में आसमान पर पहुंचे सिगरेट के दाम

अगर पिछले दो दशकों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो सिगरेट की कीमतों में बेतहाशा और चौंकाने वाली वृद्धि हुई है। साल 2005 में सिगरेट का जो पैकेट महज 59 रुपये में मिला करता था, आज साल 2026 में उसकी कीमत 480 रुपये के पार जा पहुंची है। महंगाई की इस डराने वाली रफ्तार को देखें तो पिछले 21 वर्षों में इसके दामों में 713 फीसदी का भारी उछाल आया है। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2010 में यह 96 रुपये, 2015 में 200 रुपये और 2020 में 300 रुपये का आंकड़ा पार कर गई थी। सिगरेट की महंगाई 185 फीसदी की दर से बढ़ते हुए अब 7 गुना से भी अधिक हो चुकी है।

हर महीने धुएं में उड़ रहे हजारों रुपये

वर्तमान समय के खर्चों का आकलन करें तो अगर कोई व्यक्ति किसी प्रीमियम ब्रांड (जैसे मार्लबोरो रेड या आईटीसी गोल्ड फ्लेक किंग्स) की रोजाना 10 सिगरेट भी पीता है, तो उसका सीधा और भयानक असर उसकी जेब पर पड़ता है। एक महीने में यह फालतू खर्च करीब 7,000 से 8,000 रुपये बैठता है। सालाना आधार पर यही रकम 80,000 से 90,000 रुपये हो जाती है। कई मामलों में तो यह एक औसत वेतनभोगी की गाढ़ी कमाई का 35 प्रतिशत तक हिस्सा होता है, जो सचमुच धुएं में उड़ रहा है। आपको बता दें कि भारत में करीब 13 करोड़ लोग धूम्रपान करते हैं, जो वैश्विक स्तर पर एक बहुत बड़ा और चिंताजनक आंकड़ा है।

सिगरेट छोड़िए और 'निफ्टी' से बनाइए बड़ी दौलत

अब इस पूरे नुकसान को वित्तीय नजरिए से समझते हैं। अगर कोई व्यक्ति आज ही सिगरेट की लत छोड़कर हर साल खर्च होने वाले इन रुपयों को 'निफ्टी एसआईपी' में निवेश करना शुरू कर दे, तो उसकी जिंदगी की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है। शेयर बाजार के औसत 12 फीसदी सालाना रिटर्न को ही अगर आधार मान लिया जाए, तो अगले 10 साल और उससे आगे निरंतर निवेश जारी रखने पर, कम्पाउंडिंग की ताकत से इस फंड की वैल्यू 15 से 20 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं अगर 15 साल का आंकडा देखें तो यह 35 से 40 लाख रुपये हो जाएगा। 20 साल में आप 60 से 70 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं। यानी अपनी एक छोटी सी और जानलेवा लत को निवेश में बदलकर एक बहुत बड़ी पूंजी खड़ी की जा सकती है।

बीमारियों पर होने वाला लाखों का खर्च भी बचेगा

सिगरेट पीने से कैंसर, दमा और सांस लेने में तकलीफ जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा हमेशा सिर पर मंडराता रहता है। इस लत के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के लिए अगर हर महीने 500 रुपये का एक बहुत ही मामूली मेडिकल खर्च भी जोड़ लिया जाए, तो साल भर में यह 6,000 रुपये हो जाता है। अगर कोई व्यक्ति 40 साल तक इस लत का शिकार रहता है, तो वह केवल साधारण डॉक्टर के बिलों पर ही 2,40,000 रुपये खर्च कर चुका होता है। गंभीर बीमारियों के इलाज का लाखों का खर्च तो इसके बिल्कुल अलग है। जिस रकम को धुएं में उड़ाकर बीमारियां मोल ली जा रही हैं, उसी पैसे से भविष्य के लिए एक सुंदर आशियाना, एक बेहतरीन कार या एक मजबूत बैंक एफडी तैयार की जा सकती है।

ट्रेन टिकट कैंसिल करने से पहले पढ़ लें ये बड़ी खबर, रेलवे ने बदल दिए रिफंड के सारे नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी अक्सर ट्रेन से सफर करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। टिकटों की कालाबाजारी पर सख्त लगाम कसने के लिए भारतीय रेलवे ने टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के नियमों में एक बड़ा और अहम बदलाव कर दिया है। नए नियमों के लागू होने के बाद अब यात्रियों को टिकट कैंसिल कराने पर पहले की तरह लगभग पूरा पैसा वापस नहीं मिलेगा। रेलवे ने रिफंड की राशि को अब कैंसिलेशन की समय सीमा के साथ गहराई से जोड़ दिया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य टिकट दलालों की मनमानी पर रोक लगाना है, ताकि आम और जरूरतमंद यात्रियों को आसानी से कंफर्म टिकट मिल सके।

8 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर नहीं मिलेगा कोई रिफंड

रेलवे द्वारा तय किए गए नए नियमों के अनुसार, अब टिकट कैंसिल कराने के समय के आधार पर रिफंड में भारी कटौती की जाएगी। अगर कोई यात्री ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 8 घंटे पहले अपना टिकट रद्द करता है, तो उसे रिफंड के तौर पर कुछ भी वापस नहीं मिलेगा। वहीं, 24 घंटे से लेकर 8 घंटे के बीच टिकट कैंसिल कराने की स्थिति में यात्रियों को टिकट की केवल 50 प्रतिशत राशि ही वापस की जाएगी। इसके अलावा, अगर कोई टिकट 72 घंटे पहले रद्द किया जाता है, तो यात्री को 75 प्रतिशत तक रिफंड मिलेगा। आपको बता दें कि पहले 72 घंटे या उससे पहले टिकट कैंसिल करने पर यात्रियों को लगभग पूरा पैसा वापस मिल जाता था। रेलवे के ये नए और सख्त नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच पूरी तरह से लागू कर दिए जाएंगे।

अब किसी भी स्टेशन से आसानी से कैंसिल करा सकेंगे टिकट

रिफंड के इन सख्त नियमों के साथ-साथ रेलवे ने यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कुछ शानदार सुविधाएं भी पेश की हैं। नए प्रावधानों के तहत अब यात्री ऑफलाइन मोड में देश के किसी भी स्टेशन से अपना रेलवे टिकट आसानी से कैंसिल करा सकेंगे। अब उन्हें सिर्फ उसी स्टेशन तक सीमित रहने की मजबूरी नहीं होगी, जहां से उन्होंने अपना टिकट बुक कराया था। इसके अलावा, यात्रियों को अब अपने तय डिपार्चर (प्रस्थान) स्टेशन के अलावा रूट के आगे के किसी भी स्टेशन से ट्रेन बोर्ड करने की खास छूट भी दी जाएगी। इसके लिए मोबाइल ऐप में बोर्डिंग स्टेशन को अपडेट करने का एक नया और आसान विकल्प मिलेगा, जिससे यात्रियों का सफर पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक हो जाएगा।

सफर से 30 मिनट पहले बदल सकेंगे अपनी क्लास और कोच

रेलवे ने अपने यात्रियों के यात्रा अनुभव को और अधिक लचीला और शानदार बनाने के लिए एक और बड़ा फैसला लिया है। इस नए फीचर के तहत अब यात्री सफर शुरू होने से ठीक पहले अपनी सीट भी अपडेट या अपग्रेड कर सकेंगे। ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 30 मिनट पहले तक यात्रियों को अपना कोच और सफर की क्लास बदलने का बेहतरीन विकल्प दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब यह है कि अगर यात्री चाहें, तो वे ऐन मौके पर अपनी थर्ड एसी (3ह्मस्त्र्_रष्ट) की टिकट को फर्स्ट एसी (1ह्यह्_रष्ट) में अपग्रेड कर सकेंगे। रेलवे के इन सभी नए फीचर्स का मुख्य लक्ष्य यात्रियों को सफर में ज्यादा आराम और एक विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

6 सैनिकों की मौत-हैंगर-रडार सिस्टम डैमेज... खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों पर इतना बरसा ईरान का कहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है और क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हो रहे ईरानी हमले तबाही मचा रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ईरान की ओर से क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। इन हमलों में कुवैत में अमेरिका के छह सैनिक मारे गए हैं, जबकि कई अहम सैन्य प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरानी ड्रोन और मिसाइल इन ठिकानों को लगातार निशाना बना रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की सीमा से सटे कुवैत में अमेरिकी ठिकानों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। शुएबा बंदरगाह पर हुए हमले में अमेरिकी सेना का टैक्टिकल ऑपरेशन सेंटर पूरी तरह से तबाह हो गया। इस हमले में छह अमेरिकी सैनिक भी शहीद हुए हैं।

इसके अलावा अली अल सलेम एयर बेस पर भी ईरानी ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया है। यहां विमानों के हैंगर को भारी नुकसान हुआ है। वहीं कैंप बुहरिंग में ईंधन और रखरखाव की सुविधाओं को निशाना बनाया गया है।

कतर और बहरीन में रडार तबाह, फ्लीट मुख्यालय पर हमला

कतर के अल उदेद एयर बेस पर ईरानी हमले में शुरुआती चेतावनी वाली रडार प्रणाली पूरी तरह से नष्ट कर दी गई है। यह बेस अमेरिकी सेना के लिए बेहद अहम माना जाता है और मिडिल ईस्ट में सबसे बड़ा अमेरिकी बेस है।

बहरीन में भी ईरान ने बड़ा हमला किया है। यहां अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को निशाना बनाया गया। इस हमले से नौसेना के संचालन पर गहरा असर पड़ने की आशंका है।

सऊदी अरब में भी कई ठिकानों पर हमले

सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर भी ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया गया है। इस हमले में संचार उपकरणों और कई रिफ्यूलिंग विमानों को नुकसान पहुंचा है। यह बेस अमेरिकी सेना के लिए रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जाता है। इन हमलों से साफ है कि ईरान ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बड़े पैमाने पर निशाना बनाया है, जिससे पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव और गहरा गया है।

व्हाइट हाउस ने बताया कब पूरा होगा मिशन, ट्रंप बोले- डील करने वाले ईरानी डर रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग को 26 दिन बीत गए हैं और दोनों और से हमले दिन बा दिन बढ़ते जा रहे हैं। ईरान युद्ध को लेकर व्हाइट हाउस की सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बड़ा बयान दिया है, उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध में हार रहा है और उसके 9 हजार से ज्यादा ठिकाने नष्ट अमेरिकी हमलों में नष्ट हो गए हैं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के नेता डील करना चाहते हैं, लेकिन वो डर से खुलकर नहीं बोल रहे। उनको खौफ है कि हम उन्हें मार डालेंगे।

कैरोलिन लेविट ने बताया कि ईरान में अमेरिका की कार्रवाई जारी है और अब तक अमेरिका ईरान पर करीब 5 हजार पाउंड के बम गिरा चुका है। साथ ही युद्ध कब तक चल सकता है, इसकी जानकारी देते हुए कैरोलिन ने कहा कि मिशन को पूरा होने में अभी 4 से 6 हफ्ते लग सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अगर ईरान ने हार नहीं मानी तो और भीषण प्रहार किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ये भी कहा, "हमने आज तक 8 युद्ध जीते हैं। लोग अक्सर ये बात भूल जाते हैं... हम एक और युद्ध जीत रहे हैं। ईरान समझौते के लिए बेताब है, लेकिन वो स्वीकार करना नहीं चाहता। ईरान को डर अमेरिका उसे खत्म कर देगा।

ट्रंप ने कहा कि ईरान हमें कम आंकने की गलती ना करे, ईरानी नेतृत्व पहले ही हार चुका है। हालांकि ईरान ने किसी भी सीजफायर की पेशकश से इंकार किया है और कहा है कि वह जंग के लिए तैयार हैं। उन्होंने सीजफायर और ट्रंप के बातचीत के दावों को फर्जी खबर बताया है।

व्हाइट हाउस अधिकारी कैरोलिन लेविट ने बताया कि शुरू से ही राष्ट्रपति ट्रंप और हमारी सेना ने अनुमान लगाया था कि इस महत्वपूर्ण मिशन को पूरा करने में लगभग 4-6 सप्ताह लगेंगे। 25 दिन बीत चुके हैं और दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना अपने निर्धारित समय से आगे चल रही है और असाधारण प्रदर्शन कर रही है। अब आप देख सकते हैं कि ईरान की सत्ता युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रही है। उन्हें एहसास हो गया है कि वो बुरी तरह पिस रहे हैं। अमेरिकी और सहयोगी सेनाओं पर हमला करने की उनकी क्षमता, साथ ही अपने क्षेत्र की सुरक्षा करने की उनकी क्षमता दोनों हर घंटे कम होती जा रही है। शनिवार की शाम को राष्ट्रपति ट्रंप की कड़ी धमकी के बाद साफ हो गया कि ईरान बातचीत करना चाहता है।

क्या कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा की तरह नए गैंग बना रहे गैंगस्टर्स

कनाडा। कनाडा में पिछले 24 घंटे में दो अलग-अलग फायरिंग की वारदातें हुई हैं। दोनों ही वारदातों की जिम्मेदारी भारतीय मूल के दो नोजवानों ने ली, दोनों ही नोजवान किसी बड़े गैंग से ताल्लुक नहीं रखते है। एजेंसीज को लगता है कि जल्द पैसा कमाने और दहशत फैलाने के लिए कनाडा गए नौजवान अब इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे है। सूत्रों के मुताबिक ये अपना नया गैंग खड़ा करने की कोशिश भी हो सकती है।

पहले फायरिंग के इंसीडेंट में कुलबीर सिंह संधू नाम के शख्स ने सोशल मीडिया पर फायरिंग का वीडियो डालकर लिखा, "वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह।" कुलबीर ने अपनी पोस्ट में कहा कि आज कैलगरी में 245111 मीडो रिज रोड पर मलवा टायर के मालिक हरप्रीत बराड़ के घर पर फायरिंग की गई। इसकी जिम्मेदारी मैं कुलबीर सिद्धू लेता हूं। इससे पहले भी उस पर 2 बार जो गोलियां चली थीं, वो मैंने ही चलवाई थीं। अगर अब भी उसने हमारी बात नहीं मानी, तो अगली गोली उसके सिर में मारी जाएगी।

कुलबीर ने आगे कहा, "एक बात और बताना चाहता हूं कि पिछले दिनों चंडीगढ़ में जो चीनी कुबाहेरी का मर्डर हुआ था, उसमें मेरा कोई लेना-देना नहीं है। बाकी अफवाहों से बचें। वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह। वहीं दूसरी वारदात की जिम्मेदारी मन्नू ब्राम्टन नाम के शख्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर ली है। अपने पोस्ट में मन्नू ने लिखा है, "वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह... आज जो चाय-चूरी रेस्टोरेंट (6795 एयरपोर्ट रोड, मिसिसॉगा) और कैरी ट्रांसपोर्ट (कैलिडॉन) के घर पर गोलियां चली हैं, उसकी जिम्मेदारी मैं (मन्नू गिल, ब्रैम्पटन) और मेरा भाई (बॉस यूरोप) लेते हैं। और जो भी हमारे कॉल या मैसेज को नजरअंदाज करेगा, उसका बुरा हाल करेंगे हम, फिर चाहे वो कोई भी हो। जरूरत पड़ी तो उसके घर में घुसकर सीधा रिजल्ट देंगे। वेट एंड वॉच।" कनाडा में ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। एजेंसियों लगातार ऐसी वारदातों को रोकने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन नए-नए बदमाश आए दिन सामने आ रहे हैं। जानकारों का मानना है कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा जैसे गैंगों की तरह ही और गैंग बनाने की कोशिश हो रही है। जिसके लिए बदमाश अपनी वारदात को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं, ताकि लोगों में उनका डर फैल जाए।

संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन के खिलाफ किस प्रस्ताव पर भारत ने किया वोट? लंदन की बढ़ी टेंशन

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन को एक बड़ा झटका लगा है। अफ्रीकी देशों की मांग पर UN जनरल असेंबली में एक प्रस्ताव पास किया गया है, जिसमें ब्रिटेन और अन्य पूर्व उपनिवेशवादी देशों से ट्रांसअटलांटिक गुलाम व्यापार के लिए मुआवजा देने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव में गुलाम व्यापार को मानवता के खिलाफ सबसे गंभीर अपराध बताया गया है।

यह प्रस्ताव अफ्रीकी देश घाना की ओर से अफ्रीकी संघ के तत्वावधान में पेश किया गया था। इस पर हुए वोटिंग में 124 देशों ने समर्थन किया, जिसमें भारत भी शामिल है। इस प्रस्ताव का तीन देशों ने विरोध किया और 52 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया।

इस बिल का विरोध करने वाले देशों में अमेरिका, इजराइल और

अर्जेंटीना शामिल हैं। वहीं ब्रिटेन के साथ फ्रांस और यूरोपीय संघ के कई देशों ने वोटिंग से परहेज किया है। ब्रिटेन ने साफ कर दिया कि वह इस प्रस्ताव से सहमत नहीं है। ब्रिटेन के प्रतिनिधि ने कहा कि उन्हें प्रस्ताव में इस्तेमाल की गई कानूनी भाषा पर आपत्ति है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा, "ब्रिटेन का रुख साफ है, हम मुआवजा नहीं देंगे।"

अब आगे क्या होगा?

यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है, लेकिन यह अफ्रीकी देशों के लिए एक बड़ी राजनयिक जीत है। अब अफ्रीकी देश इस मामले को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका तर्क है कि गुलाम व्यापार की वजह से अफ्रीका का विकास रुका और आज भी इसकी वजह से नस्लभेद की समस्या बनी हुई है।

अमेरिका ने क्यों किया विरोध?

अमेरिका ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि वह मानवता के खिलाफ अपराधों की रैंकिंग बनाने का विरोध करता है। अमेरिका ने उन मुस्लिम देशों के गुलाम व्यापार का भी मुद्दा उठाया जो 20वीं सदी तक जारी रहा। UN में ब्रिटेन के खिलाफ पारित इस प्रस्ताव में मुआवजे की मांग की गई है। भारत ने इसके समर्थन में वोट किया, जिससे ब्रिटेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अब अगला दौर अंतरराष्ट्रीय अदालत में लड़ा जा सकता है।

विदेश मंत्री जयशंकर दो दिवसीय फ्रांस दौरे पर, जी7 विदेश मंत्रियों के साथ करेंगे बैठक

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार से शुक्रवार तक फ्रांस के दौरे पर रहेंगे हैं। यहां वह जी 7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए जाएंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसारएस जयशंकर फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरोट के निमंत्रण पर भाग लेंगे। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि विदेश मंत्री जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय की और से जारी एक पृष्ठभूमि ब्रीफिंग के अनुसार, जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) में यूक्रेन युद्ध, पुनर्निर्माण प्रयासों, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक शासन में सुधार सहित प्रमुख वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

एजेंडा की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय के प्रवक्ता पास्कल कॉन्फावरेक्स ने कहा कि यह बैठक संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान मंत्रियों

की एक अनौपचारिक बैठक के तुरंत बाद होगी और जी 7 नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले एक तैयारी के रूप में काम करेगी। ब्रीफिंग में कहा गया, ₹यह सब एवियन शिखर सम्मेलन की तैयारी का हिस्सा है। यह 13 से 15 जून के बीच होगा।₹ इसमें यह भी जोड़ा गया कि चर्चाएं नेताओं के विचार-विमर्श के लिए निष्कर्ष निर्धारित करने में सहायक होंगी।इस बैठक में तात्कालिक संकटों और दीर्घकालिक संरचनात्मक मुद्दों दोनों पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कार्रवाई योग्य परिणामों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, 'स्पष्ट रूप से, हम हरसंभव प्रयास करेंगे कि न केवल जी 7 की इस अनौपचारिक बैठक को सफल बनाया जाए, बल्कि कुछ ठोस परिणाम भी प्राप्त किए जाएं।'

समुद्री सुरक्षा के मुद्दें पर होगी बात

यूक्रेन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसमें पुनर्निर्माण और व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। दूसरा सत्र पुनर्निर्माण पर होगा। इसका उद्देश्य कम से कम तीन परिणाम प्राप्त करना है।ब्रीफिंग में परमाणु सुरक्षा, मानवीय आधार पर बारूदी सुरंगों को हटाने और पुनर्निर्माण के लिए धन जुटाने पर चर्चा का जिक्र किया गया। यूरोपीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (ईबीआरडी) जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की भूमिका पर भी बात की जाएगी जाएगा, विशेष रूप से यूक्रेन की पुनर्निर्माण के लिए निवेश जुटाने में। चर्चा में समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी बात होगी। अधिकारी ने कहा, 'हम नशीले पदार्थों की तस्करी, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित व्यापक खतरों पर भी विचार करेंगे।' समुद्री मार्गों और नौवहन की स्वतंत्रता के प्रयोग पर एक विशेष सत्र भी आयोजित होने की उम्मीद है। इस बैठक में दक्षिण कोरिया, भारत, सऊदी अरब, ब्राजील और यूक्रेन के मंत्रियों सहित गैर-जी 7 साझेदारों के साथ भी बातचीत होगी, जो एक व्यापक संपर्क रणनीति को दर्शाती है। अधिकारी ने कहा, 'हम गुरुवार को ये सभी सत्र आयोजित करेंगे और एक सत्र शुक्रवार की सुबह होगा।' उन्होंने आगे कहा कि कई अन्य कार्यक्रम और कार्य भोज गहन विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे।

ईरान-यूएस के बीच मध्यस्थता कौन करेगा, कांग्रेस ने कूटनीति के मोर्चे पर सरकार को क्यों घेरा?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर तीखा हमला किया है। उन्होंने पश्चिम एशिया के युद्ध में पाकिस्तान के मध्यस्थ के रूप में उभरने की खबरों को भारत की क्षेत्रीय कूटनीति की बड़ी विफलता बताया है। रमेश ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि जयशंकर भारत की शर्मिंदगी को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसको लेकर जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह वास्तव में घोर आपत्तिजनक है कि पाकिस्तान को इस भूमिका के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। उन्होंने लिखा यह वही देश है जिसकी राज्य व्यवस्था ने- चार दशकों से अधिक समय तक भारत और अन्य देशों में आतंकवाद को प्रायोजित और संचालित किया है। ओसामा बिन लादेन और अन्य खतरनाक वैश्विक आतंकवादियों को दशकों तक पनाह दी। परमाणु अप्रसार कानूनों का घोर उल्लंघन कर अन्य देशों को परमाणु क्षमता हासिल करने में मदद की। ए.क्यू. खान नेटवर्क की भूमिका अच्छी तरह दस्तावेजीकृत है और स्वयं तत्कालीन राष्ट्रपति मुशर्रफ ने भी इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था।

अफगानिस्तान में अस्पतालों और नागरिक ठिकानों पर बेरहमी से बमबारी की और विभिन्न प्रांतों- बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और अन्य क्षेत्रों में अपने ही नागरिकों तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ युद्ध छेड़ा।

बावजूद इसके पाकिस्तान को मध्यस्थ की भूमिका के लिए उपयुक्त माना जाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की वास्तविकता और उसके तरीके दोनों पर बेहद गंभीर सवाल उठाती है।

कांग्रेस नेता ने सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के समय से की। उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई हमलों के बाद भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकेला कर दिया था। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। अप्रैल 2025 में पहलगाम हमलों के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के भड़काऊ बयानों के बावजूद, भारत उसे अलग-थलग करने में नाकाम रहा है, बल्कि इसके उलट पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। रमेश ने दावा किया कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर अब राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम के पसंदीदा बन गए हैं।

सर्वदलीय बैठक के बाद आया बयान

यह बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के बाद आया है। इस बैठक में सरकार ने विपक्षी नेताओं को भरोसा दिलाया कि भारत इस संकट के बीच मजबूती से खड़ा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री, विदेश मंत्री जयशंकर और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ऊर्जा सुरक्षा और विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा पर जानकारी दी। सरकार ने कहा कि वह सभी देशों के साथ संपर्क में है ताकि सप्लाई चेन प्रभावित न हो। इस बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी और अन्य दलों के नेता शामिल हुए, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने इसमें हिस्सा नहीं लिया। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था।

सान्या मल्होत्रा ने शुरू की सुंदर पूनम की शूटिंग, वास्तविक घटना से प्रेरित है फिल्म!

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सुंदर पूनम की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं।

वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्लेट का हिस्सा है।

हाल ही में फिल्म मेकर्स ने सुंदर पूनम का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुंदर पूनम में लव स्टोरी के साथ-साथ सस्पेंस और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक चर्चित हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है, जिसमें शादी के तुरंत बाद एक कारोबारी की हत्या कर दी गई थी।

इस फिल्म में एक नया शादीशुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। इस दौरान उनके अचानक लापता होने की खबर सामने आती है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा हैरान करने वाला सच भी सामने आता है। फिल्म की कहानी दर्शकों को चौंका देगी।

टोविनो थॉमस अभिनीत फिल्म पल्लीचट्टाम्बी का नया पोस्टर जारी, 10 अप्रैल को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में होगी रिलीज

डिजो जोस एंटनी द्वारा निर्देशित और टोविनो थॉमस अभिनीत फिल्म पल्लीचट्टाम्बी का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है। यह पोस्टर फिल्म की नायिका कयादु लोहार की एकल प्रस्तुति है। पोस्टर में फिल्म की रिलीज तिथि भी बताई गई है। मलयालम समेत पांच भाषाओं में पोस्टर जारी किए गए हैं। पल्लीचट्टाम्बी 10 अप्रैल को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पल्लीचट्टाम्बी में मुख्य अभिनेत्री के रूप में कायदु लोहार की घोषणा का वीडियो पहले ही काफी चर्चा में रहा था। तमिल की सुपरहिट फिल्म ड्रैगन में नायिका की भूमिका निभाने के बाद कायदु दक्षिण भारतीय सिनेमा के दर्शकों की चहेती बन गईं।

पल्लीचट्टाम्बी में टोविनो थॉमस एक बिल्कुल नए अंदाज में नज़र आएंगे। इस फिल्म का निर्माण नौफल और बृजेश ने वर्ल्डवाइड फिल्म्स के बैनर तले किया है, जबकि चाणुक्य, चैतन्य और चरण ने सी क्यूब ब्रदर्स

एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले इसका निर्माण किया है। फिल्म मलयालम समेत पांच भाषाओं में रिलीज़ हो रही है। पटकथा एस. सुरेश बाबू ने लिखी है।

पल्लीचट्टाम्बी फिल्म में मुख्य महिला किरदार में कायादु लोहार के अलावा विजय राघवन, सुधीर करमना, बाबूराज, विनोद केदामंगलम, प्रशांत एलेक्स और कई अन्य प्रमुख कलाकार भी हैं। फिल्म की कहानी 1950-60 के दशक में घटित होती है। छायांकन तिजो टॉमी ने किया है, जबकि संगीत मोलिवुड के मशहूर संगीतकार जेक्स बेजॉय ने तैयार किया है। मेघा श्याम और थानसीर सह-निर्माता हैं। वेशभूषा मंजुषा राधाकृष्णन ने डिजाइन की है और मेकअप रशीद अहमद ने किया है। लाइन प्रोड्यूसर एलेक्स ई. कुरियन हैं, वित्त नियंत्रक अनिल अंबल्लूर और प्रोडक्शन नियंत्रक राजेश मेनन हैं।

रेनिथ राज और किरण राफेल मुख्य सह-निर्देशक हैं। साउंड डिज़ाइन सिंक सिनेमा द्वारा किया गया है और कला निर्देशन राजेश मेनन ने संभाला है। कास्टिंग बिनॉय नंबाला द्वारा की गई है। डिजिटल मार्केटिंग का प्रबंधन अखिल विष्णु वीएस द्वारा और जनसंपर्क अक्षय प्रकाश द्वारा किया गया है। स्टिल फोटोग्राफी ऋषलाल उन्नीकृष्णन द्वारा की गई है और पोस्टर डिज़ाइन येलो टूथ्स द्वारा तैयार किया गया है।

फिल्म भूत बंगला का दूसरा गाना तू ही दिसदा जारी, खूबसूरत वादियों में खोए अक्षय-वामिका, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

भारतीय सिनेमा के गलियारों में जब भी कॉमेडी की बात होती है, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का नाम सबसे पहले लिया जाता है। पूरे 14 सालों के लंबे वनवास के बाद यह कल्ट जोड़ी 10 अप्रैल 2026 को फिल्म भूत बंगला के साथ बड़े पर्दे पर अपनी वापसी दर्ज कराने जा रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से बनी यह फिल्म न केवल पुरानी यादों को ताजा कर रही है, बल्कि आधुनिक हॉरर-कॉमेडी के जॉनर में एक नया मील का पत्थर भी स्थापित करने की तैयारी में है।

फिल्म के पहले ट्रैक राम जी आके भला करेंगे की सफलता के बाद मेकर्स ने अब इसका दूसरा गाना तू ही दिसदा रिलीज कर दिया है। जहां पहला गाना फिल्म के माहौल को सेट करता था, वहीं यह नया गाना अक्षय कुमार और वामिका गब्बी के बीच की ताजा और खूबसूरत केमिस्ट्री को उजागर करता है। अरिजीत सिंह और निखिता

गांधी की रूहानी आवाजों से सजे इस गीत को झरनों, घनी हरियाली और धुंध से ढके पहाड़ों के बीच फिल्माया गया है। प्रियदर्शन का सिग्नेचर स्टाइल यानी बेहतरीन विजुअल्स और प्राकृतिक सौंदर्य इस गाने के हर फ्रेम में झलकता है, जो इसे इस साल का सबसे बेहतरीन समर लव एंथम बनाता है।

भूत बंगला की सबसे बड़ी ताकत इसकी स्टार कास्ट है। अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे दिग्गजों की वापसी ने दर्शकों के बीच हेरा फेरी और भूल भुलैया वाले दौर की बेताबी पैदा कर दी है। इसके अलावा तब्बू और वामिका गब्बी की मौजूदगी फिल्म में अभिनय की गहराई और नयापन जोड़ती है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जिसमें प्रियदर्शन के क्लासिक वन-लाइनर्स और डरावने लेकिन मजाकिया दृश्यों की झलक मिलती है। यह साफ है कि मेकर्स पुरानी यादों और नए जमाने के हॉरर का एक सटीक मिश्रण लेकर आ रहे हैं।

बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले एकता आर कपूर, शोभा कपूर और स्वयं अक्षय कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई गई है। फिल्म का बज इस कदर है कि इसे 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों की श्रेणी में रखा जा रहा है। 10 अप्रैल की रिलीज डेट जैसे-जैसे करीब आ रही है, फैंस के बीच अक्षय और प्रियदर्शन की उस टाइमिंग को फिर से देखने की होड़ मची है जिसने सालों पहले गरम मसाला और खट्टा मीठा जैसी फिल्में दी थीं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com